ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 9, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 319 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 मई 2026 सोमवार

आज का मौसम
42.7 अधिकतम
29.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

महंगे तेल का सड़क से रसोई तक असर... 11 दिनों में चौथी बार बढ़ा दिए दाम

# गर्मी के साथ तेल की तपिश ने झुलसाया

भोपाल में पेट्रोल-डीजल के दाम

**100 डीजल | 115 पेट्रोल**

**नईदिल्ली, दोपहर मेट्रो**

तेल कंपनियों ने आज पेट्रोल 2.61 रु प्रति लीटर और डीजल 2.71 रु प्रति लीटर और महंगा कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 रु और डीजल की कीमत 95.20 रु हो गई है। भोपाल में पेट्रोल 114.65 और डीजल 99.74 रूपए में मिल रहा है। पिछले 11 दिनों में यह चौथा मौका है जब तेल के दाम बढ़ाए गए हैं। एक तरफ सरकार हालात काबू में होने के दावे कर रही है वहीं तेल की कीमतें आम आदमी पर भारी पड़ रही हैं।

मध्य प्रदेश में रेट 3 रुपए तक बढ़े हैं। नए रेट के बाद एमपी में डीजल 100 रुपए के पार पहुंच गया, जबकि पेट्रोल 114 रुपए या उससे ज्यादा हो गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, कमजोर होता रुपया और आयात लागत बढ़ने की वजह से तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ा है। इसके अलावा रिफाइनिंग मार्जिन में बदलाव का असर भी ईंधन की कीमतों पर पड़ रहा है। लंबे समय तक कीमतें स्थिर रखने के बाद अब सरकारी तेल कंपनियां धीरे-धीरे बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं। यही वजह है कि 10 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल करीब 5 रुपये प्रति लीटर तक महंगे हो चुके हैं। पहले से ही ट्रक और टेम्पो मालिकों के संघ भाड़ा बढ़ाने को लेकर लामबंद हैं। ऐसे में अब इनकी दरें बढ़ना तय है। इससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे। ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी और बढे हुए दामों फार फसल खरीदी नहीं हुई तो किसानों पर इसकी मार पड़ेगी। सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं।

**पेट्रोल 7.40, डीजल 7.52 रु.तक महंगा**

| तारीख | पेट्रोल | डीजल |
|---|---|---|
| 15 मई | ₹3 | ₹3 |
| 19 मई | 90 पैसे | 90 पैसे |
| 23 मई | 87 पैसे | 91 पैसे |
| 25 मई | ₹2.61 | ₹2.71 |

*अब दिल्ली में पेट्रोल ₹102.12, डीजल ₹95.20 प्रति लीटर*

### हर महीने 30 हजार करोड़ के नुकसान की दलील

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति के आधार पर देश में ईंधन के दाम तय किए जाते हैं। सरकारी तेल कंपनियां 'डेली प्राइस रिवीजन' के तहत हर दिन सुबह 6 बजे नए रेट अपडेट करती हैं। उपभोक्ता तक पहुंचने से पहले तेल की कीमतों में कई तरह के टैक्स और खर्च जुड़ते हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी क्रूड आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार से खरीदे गए बैरल के हिसाब से प्रति लीटर तेल की कीमत तय होती है। रिफाइनरी से निकलने के बाद केंद्र सरकार इस पर एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) और रोड सेस लगाती है। यह देशभर में सभी राज्यों के लिए समान होती है। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा के अनुसार कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर हर महीने करीब 30 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है।

» ट्विशा केस की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई » शुरू नहीं हो सकी है सीबीआई जांच

# जस्टिस सूर्यकांत बोले - परिवार के दुःख को सिर्फ टीवी की 'साउंड बाइट' न बनाए मीडिया

**नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी**

एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज दोनों ही पक्षों से कहा है कि वे मीडिया में बयान न दें। मीडिया से भी कहा गया कि वह अपने काम में संयम बरते और पीड़ित परिवार के गहरे दुख को सिर्फ टीवी की साउंड बाइट्स तक सीमित न रखें। चीजों को कानून और प्रक्रिया के हिसाब से ही आगे बढ़ने दें। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि घटना की जांच के दौरान कुछ हरकतों की वजह से हमें थोड़ी तकलीफ हुई है। वहीं, मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि ट्विशा की सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह जांच में अड़चन डाल रही हैं।

जस्टिस सूर्यकांत, जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पांचोली की तीन सदस्यीय पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान पीठ ने मामले की शुरुआती जांच के तौर-तरीकों पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमें अपने सिस्टम पर पूरा विश्वास है, लेकिन हम चाहते हैं कि इस मामले की जांच एक स्वतंत्र एजेंसी द्वारा की जाए। एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है, और इसमें पूरी तरह निष्पक्ष व बिना किसी भेदभाव के जांच की जरूरत है।

**सीबीआई जांच का आश्वासन:** सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच को सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की है। उन्होंने अपनी दलील में कहा, पूर्व जज एक चैनल से दूसरे चैनल जा रही हैं और मृतका की छवि खराब करने की कोशिश कर रही हैं।

### सॉलिसिटर जनरल की भावुक टिप्पणी - मृत बेटी के बजाए, एक तलाकशुदा बेटी होना कहीं बेहतर

### टल सकती है सुनवाई

वहीं, हाईकोर्ट में ट्विशा की सास रिटायर्ड जिला जज गिरिबाला सिंह को भोपाल जिला अदालत से मिली अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग पर सुनवाई होनी है। संबंधित याचिकाएं मध्य प्रदेश शासन और ट्विशा के पिता की ओर से दायर की गई हैं। जस्टिस देवनारायण मिश्रा की कोर्ट में 149 नंबर पर शेड्यूल्ड है। लंच के बाद सुनवाई हो सकती है। उधर, भोपाल जिला अदालत में ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह की 12 मई से 20 मई तक की कॉल डिटेल और भोपाल एम्स के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने संबंधी आवेदन पर सुनवाई होगी।

### 10 दिन जबलपुर में छिपा रहा समर्थ

मुख्य आरोपी समर्थ सिंह से पूछताछ के बाद कई नए खुलासे सामने आए हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि घटना के बाद समर्थ करीब 10 दिन तक जबलपुर में छिपा रहा। फरारी के दौरान समर्थ ने अपना मोबाइल भी बंद रखा, ताकि पुलिस लोकेशन ट्रेस न कर सके। हालांकि तकनीकी जांच में उसकी आखिरी मोबाइल लोकेशन भोपाल में ट्रेस हुई थी, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी थी। पूछताछ में समर्थ ने फरारी के दौरान लगातार लोकेशन बदलने और लोगों से सीधे संपर्क से बचने की बात कबूल की है। पुलिस अब उन लोगों की पहचान कर रही है, जो 12 और 13 मई को उसके संपर्क में थे।

बेंगलुरु-गुजरात मैच कल होगा

## न्यूज विंडो

### आज से नौतपा, देश में ब्रह्मपुरी सबसे गर्म

**नई दिल्ली/भोपाल।** देश में आज से नौतपा की शुरुआत हो गई है। जिससे आशंका है कि अगले 9 दिन और ज्यादा गर्मी रहेगी। साथ ही हीटवेव और तापमान भी बढ़ेगा। तापमान 45 डिग्री से ज्यादा बना रह सकता है। रविवार को महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र का ब्रह्मपुरी लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 47.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.6 डिग्री ज्यादा है। इधर, राजधानी भोपाल में तापमान 42.7 डिग्री रहा। उत्तर प्रदेश में बांदा 46.8 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म जिला रहा। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर और मध्य भारत में 29 मई से मौसम बदल सकता है। बारिश की संभावना है।

### सिंगर दिलजीत दोसांझ को बम से उड़ाने की धमकी

**लुधियाना।** पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के घर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। निगम कमिश्नर की सरकारी मेल पर सुबह 7.28 बजे एक मेल भेजा गया है। इसमें मेयर व दलजीत दोसांझ के घर पर 1.11 मिनट पर धमाका करने की चेतावनी दी गई है और छह जून तक दलजीत दोसांझ के घर गांव में रात 9.11 मिनट पर ब्लास्ट करने की धमकी दी गई है। खालीस्तान नेशनल आर्मी, इंजीनियर गुरनख सिंह, रूकन शाहवाल, डाक्टर गुरनिवैर सिंह और खान रजादा का नाम लिखा गया है। इस धमकी भरी मेल आने के बाद मेयर कैंप आफिस पर सुरक्षा प्रबंध कड़े कर दिए गए है।

### आज का कार्टून

ट्रम्प और खामेनेई की मंजूरी बाकी

# अमेरिका-ईरान जंग खत्म कर होर्मुज खोलने पर लगभग सहमत

**वाशिंगटन डीसी/तेहरान. एजेंसी**

अमेरिका और ईरान युद्ध को धीरे-धीरे खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की नाकाबंदी हटाने को लेकर सैद्धांतिक रूप में एक समझौते पर लगभग सहमत हो गए हैं। यह जानकारी एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने दी है। हालांकि अभी भी कई संवेदनशील मुद्दों पर अंतिम फैसला बाकी है।

ईरान की तरफ से फिलहाल सार्वजनिक रूप से यह नहीं कहा गया है कि समझौता हो गया है। पिछले 24 घंटों में ईरानी अधिकारियों के बयानों में भी कुछ अंतर दिखाई दिया है। अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक समझौते पर अभी हस्ताक्षर नहीं हुए हैं और इसे अंतिम मंजूरी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई से मिलनी बाकी है। इसमें कुछ दिन लग सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी के अनुसार प्रस्तावित समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाएगा। इसके बदले ईरान अपने एनरिच्ड यूरेनियम भंडार को खत्म करने पर सहमत होगा। हालांकि यह प्रक्रिया कैसे होगी, इस पर अभी बातचीत जारी है। ट्रम्प चाहते हैं कि इस संवर्धित सामग्री (एनरिच्ड मटेरियल) को अपने कब्जे में ले लें। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने अपने लोगों को समझौते में 'जल्दबाजी न करने' को कहा है।

### फ्रांस से 114 और राफेल जेट खरीदेगा भारत

**नईदिल्ली।** भारतीय वायु सेना की मजबूती के लिए भारत अब और अधिक राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा। भारत ने 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद हेतु अनुरोध पत्र को अंतिम रूप दे दिया है। यह कदम वायु सेना के बेड़े को मजबूत करने और लड़ाकू विमानों की कमी को दूर करने की भारत की लंबे समय से लंबित योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों के अनुसार, 114 विमानों में से लगभग 90 विमान फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी डसॉल्ट एविएशन और एक भारतीय फर्म की साझेदारी के माध्यम से भारत में निर्मित किए जाएंगे। इसके लिए औपचारिक सरकारी दस्तावेज तैयार किया गया है।

## नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने की आत्महत्या

**लातूर. एजेंसी**

नीट परीक्षा रद्द होने के बाद मानसिक तनाव के चलते एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली है। पिता ने पुलिस को दिए एक बयान में यह कहा है। पिता ने यह भी कहा है कि उन्हें किसी पर कोई शक नहीं है, और न ही उन्हें अपनी बेटी की मौत को लेकर कोई शिकायत है। मामला महाराष्ट्र के लातूर तालुका के गोंडेगांव गांव का है। यहां एक छात्रा ने नीट परीक्षा से जुड़े तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। यह जानकारी छात्रा के पिता द्वारा इस मामले में गेटगांव पुलिस स्टेशन को दिए गए बयान से सामने आई है। दरअसल, अशोक विट्ठल सोनवणे द्वारा पुलिस को दिए गए बयान के अनुसार, उनकी बेटी मैथिली ने इस साल 12वीं की परीक्षा 51.50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की थी। वह डॉक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। उसने परीक्षा भी दी थी। पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द करने से वह तनाव में थी।

## जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए धार पहुंचे सीएम, वाग्देवी के दर्शन और पूजा भी

**धार. एजेंसी**

भोजशाला इन दिनों पूरी तरह भगवामय नजर आ रही है। आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोजशाला पहुंचकर गर्भगृह में विराजित मां वाग्देवी के दर्शन कर पूजा की।

इतिहास में यह पहला अवसर माना जा रहा है, जब किसी मुख्यमंत्री ने भोजशाला में विधिवत दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री के इस दौरे को 'गंगा दशहरा कार्यक्रम' नाम दिया गया है। मुख्य आयोजन मोती बाग चौक पर किया गया, जहां विशाल वाटरप्रूफ डोम और भव्य मंच तैयार किया गया। सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरित किया। साथ ही विकास कार्यों और नई परियोजनाओं की घोषणाएं भी की। धार भोजशाला परिसर को बसंत पंचमी की तर्ज पर सजाया गया है। परिसर और आसपास के क्षेत्र में भगवा ध्वज, पताकाएं और स्वागत बैनर लगाए गए हैं, जिससे पूरा वातावरण धार्मिक आस्था और उत्सव की भावना से सराबोर हो उठा है।

मुख्यमंत्री के डीआरपी लाइन हेलीपेड से राजवाड़ा पहुंचने के बाद वहां से भोजशाला तक भव्य रोड शो निकला गया। करीब 900 मीटर लंबा यह मार्ग पूरी तरह स्वागत द्वारों, बैनरों और धार्मिक सजावट से सुसज्जित किया गया था। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, साधु-संत और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

## महाराष्ट्र में सड़क हादसा, खाई में गिरी एसयूवी, आठ लोगों की मौत

**मुंबई. एजेंसी**

महाराष्ट्र के रायगढ़ में एसयूवी के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार को पोलादपुर-महाबलेश्वर मार्ग पर स्थित अंबेनाली घाट क्षेत्र में हुई। पीड़ित सतारा के रहने वाले थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे दापोली से सतारा जा रहे थे, तभी वाहन खाई में गिर गया। पुलिस ने बताया कि रविवार देर रात कोंकण और पश्चिमी महाराष्ट्र को जोड़ने वाले पोलादपुर महाबलेश्वर घाट पर यह भीषण दुर्घटना हुई। अंबेनाली घाट में यह कार गहरी खाई में गिर गई। यह दुर्घटना तब हुई, जब सतारा जिले के अजगांव के आठ युवक दापोली में पर्यटन का आनंद लेने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि अंबेनाली घाट के दाभिल गांव की सीमा में ड्राइवर ने गाड़ी पर नियंत्रण खो दिया और गाड़ी खाई में जा गिरी।

## जम्मू-कश्मीर में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, कई स्थानों पर छापेमारी

**जम्मू. एजेंसी**

एनआईए ने आज शोपियां जिले में कई जगहों पर छापेमारी की। एनआईए की टीमें जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की मदद से श्रीनगर के लाल बाजार इलाके और दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के कई स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चला रही हैं। एजेंसी ने शोपियां के इमाम साहिब स्थित दारुल उलूम जामिया सिराजुल उलूम' पर छापा मारा। यह वही स्कूल है जिसपर हाल ही में प्रशासन ने यूएपीए के तहत कार्रवाई की थी। हाल ही में कश्मीर प्रशासन ने दारुल उलूम जामिया सिराजुल उलूम स्कूल को गैर-कानूनी संस्था घोषित कर दिया था। संस्थान पर टेरर फंडिंग और यहां के कुछ लोगों के प्रतिबंधित संगठन से संबंध होने के आरोप लगे। वहीं, शोपियां में एक घर पर कार्रवाई जारी है। सुरक्षा बलों की टीम ने शोपियां जिले में जैनापोरा के मूलू चित्रगाम में प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के पूर्व सदस्य शहजादा औरंगजेब के घर पहुंचकर तलाशी ली।

# भारत की राजनीतिक स्थिरता के दुश्मन अंदर या बाहर ?

**आलोक मेहता**
वरिष्ठ पत्रकार

दुश्मन हैं हजारों यहां जान के , तुम रहना मगर पहचान के।' लता मंगेशकर ने यह मशहूर गीत 1962 के आसपास गाया था। वैसे 'ए मेरे वतन के लोगों' जैसे गीत की तरह यह देशभक्ति वाली फिल्म के गीत के बोल नहीं थे। यह प्रेम और रहस्य कथा वाली फिल्म 'बीस साल बाद' के गीत का अंश था। लेकिन, भारत की राजनीतिक स्थिरता और देश विरोधी ताकतों के सन्दर्भ में यह बात इंदिरा गाँधी से नरेंद्र मोदी तक के सत्ता काल में मुझ जैसे पत्रकारों को राजनेताओं या शीर्ष पर बैठे अधिकारियों , राजनयिकों से सुनने को मिलती रही है। इसलिए पिछले दिनों अचानक भारतीय लोकतंत्र को निशाना बनाकर सुदूर अमेरिका और यूरोप से मासूम कहे गए दो युवाओं द्वारा प्रतीकात्मक राजनीतिक हमलों से देश के अंदर ही नहीं विदेशों में भी हंगामेदार चर्चा हो गई । जब हम जैसे लोग इसमें किसी षड्यंत्र की आशंका करते हैं , तो हमारे मित्र - परिजन अथवा असहमत और नाराज लोग हमें अकारण 'शंकालु' या बात का बतंगड़ बनाने वाला कहने लगते हैं।

फिर भी न हम स्वीकार कर सकते हैं और न ही कोई सही ढंग से किसी को विश्वास दिला सकता है कि यूरोप के छोटे से देश नार्वे की 26 वर्ष की एक अनजान सी कथित पत्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक यात्रा और यूरोप ,एशिया, अमेरिका, रुस तक को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण वार्ताओं के दौर में अनर्गल सवालों से भारत विरोधी हंगामा ऐसे ही खड़ा कर देंगी । फिर, हंगामे की गूंज ख़त्म होने से पहले अमेरिका के बोस्टन या किसी अन्य शहर में बैठा तीस साल का भारतीय युवा अचानक सोशल मीडिया के बल पर एक झटके में कॉकरोच जनता पार्टी घोषित कर डेढ़ करोड़ समर्थक हासिल कर लेता है। उसकी ओर से बेरोजगारी पर ज्ञापन सहित आंदोलन आदि की घोषणा क्या बिना सोचे समझे और किसी का वरद हस्त रहे बिना हो सकती है ?

नार्वे की कथित पत्रकार हेले लिंग ने प्रधान मोदी की नार्वे के पीएम से वार्ता के बाद केवल वक्तव्य के अवसर पर बिना किसी अनुमति के चिल्लाकर पूछा कि हम आपकी बात पर कैसे विश्वास करें, जबकि भारत में स्थिति ख़राब है ? वे सवालों के जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं। स्वाभाविक है इस तरह के प्रयास पर मोदी जी ने शांत रहकर आगे बढ़ना उचित समझा। जब सवाल विश्वास न करने से ही शुरू होगा, तो कोई नेता, राजनयिक या संत महात्मा भी क्या समझाएगा ? कहा जाता है कि मूर्ख या दुष्ट को सामान्य ढंग से समझाया नहीं जा सकता । फिर भी बाद में भारतीय राजनयिकों द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हेली लिंग को बुलाया गया। उसने फिर पूछा, हमें आप (भारत) पर भरोसा क्यों करना चाहिए? क्या आप अपने देश में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने का प्रयास कर सकते हैं? भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए न्याय और स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। बहरहाल खुद हेली ने स्वीकारा कि उसका इरादा ही मुद्दे को उछालना था। इधर भारत में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अगले ही क्षण इस बात को सोशल मीडिया पर उछाल दिया। इससे भारत ही नहीं यूरोप, पाकिस्तान, चीन तक मीडिया में सुर्खियां बन गईं।

**बाहरी दुश्मनों से खतरे सदा रहे हैं और शायद आगे भी रहेंगे...** **देखें पेज 8**

### डिजिटल व्यवस्था ठप होने से मरीजों का बुरा हाल

# हमीदिया अस्पताल में कबाड़ बनीं टोकन और डिजिटल डिस्प्ले मशीनें

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

शहर के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा परिसर हमीदिया अस्पताल में इलाज कराने आ रहे मरीजों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अस्पताल में मरीजों की सहूलियत और कतारों से राहत दिलाने के लिए लाखों रुपये की लागत से लगाई गई आधुनिक टोकन और डिजिटल डिस्प्ले मशीनें पिछले कई दिनों से बंद पड़ी हैं। पूरा सिस्टम ठप होने के कारण अस्पताल में पैर रखने की जगह नहीं मिल रही है और मरीजों के साथ आए उनके परिजन सुबह से लेकर दोपहर तक परेशान हो रहे हैं।

टोकन व्यवस्था बंद होने का सबसे सीधा असर ओपीडी पर्चा काउंटर और दवा वितरण केंद्रों पर देखने को मिल रहा है। चूंकि अब मरीजों को कोई टोकन नंबर नहीं मिल रहा है, इसलिए हर कोई पहले पर्चा बनवाने और दवा लेने की होड़ में लगा है। इसके चलते काउंटरों पर मरीजों की भारी भीड़ उमड़ रही है। कतारों में अव्यवस्था फैलने के कारण मरीजों के बीच आपस में और वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ आए दिन धक्का-मुक्की और तीखी बहस की स्थिति बन रही है। डिजिटल स्क्रीन बंद होने से मरीजों को यह भी पता नहीं चल पा रहा है कि उनका नंबर कब आएगा या डॉक्टर कब बैठेंगे।

हमीदिया अस्पताल में कबाड़ बनीं टोकन और डिजिटल डिस्प्ले मशीनें

### चिलचिलाती धूप में बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं बेहाल

इन दिनों शहर में भीषण गर्मी और उमस का प्रकोप है। ऐसे चिलचिलाते मौसम में अस्पताल के भीतर पंखे भी नाकाफी साबित हो रहे हैं। टोकन न मिलने से घंटों लाइनों में खड़े रहने के कारण सबसे ज्यादा फजीहत बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और दूर-दराज से आए गंभीर रूप से बीमार मरीजों को झेलनी पड़ रही है। कतारों में खड़े-खड़े कई मरीजों की तबीयत और ज्यादा बिगड़ रही है, लेकिन प्रबंधन इस ओर ध्यान देने को तैयार नहीं है।

### पुराने ढर्रे पर आया अमला, काम हुआ बेहद धीमा

अस्पताल की यह हाईटेक डिजिटल व्यवस्था ठप होने के बाद अब पूरा कामकाज पुराने मैन्युअल (कागजी) तरीके से निपटाया जा रहा है। अस्पताल का स्टाफ हाथ से पर्चियां और रिकॉर्ड दुरुस्त कर रहा है, जिससे काम की रफ्तार बेहद धीमी हो गई है। कंप्यूटर और मशीनों से जो काम चंद सेकंड में हो जाता था, उसमें अब कई मिनट लग रहे हैं। यही वजह है कि ओपीडी का समय खत्म होने तक काउंटरों पर लाइनें छोटी होने का नाम नहीं ले रही हैं। मरीजों ने अस्पताल प्रशासन से गुहार लगाई है कि इस भीषण तपिश को देखते हुए बंद पड़ी टोकन मशीनों को तत्काल सुधारा जाए, ताकि उन्हें इस रोजाना की प्रताड़ना से मुक्ति मिल सके।

# साध्वियों को कुचले जाने की घटना से गुस्से में जैन समाज, आंदोलन की दी चेतावनी

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

रीवा में विद्यासागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका श्रुतमती माताजी एवं आर्यिका उपशममती माताजी की कार की टक्कर से हुई मौत को लेकर संपूर्ण जैन समाज आक्रोशित है। उनका कहने है कि उपलब्ध वीडियो फुटेज में साफ़ दिख रहा है, यह कोई सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं है, बल्कि यह सीधे-सीधे अहिंसा और हमारी आस्था पर किया गया क्रूर हमला है। कार चालक राशिद अहमद अलीद्वारा जानबूझकर, साइड में चल रही निहत्थी, पैदल विहार कर रही आर्यिका माताजी को टक्कर मारना और फिर निर्दयता से भाग जाना, एक गहरे और सुनियोजित षड्यंत्र की ओर इशारा करता है।

समाज की मांग है कि इस प्रकरण की सीबीआई जांच हो और इस षड्यंत्र के पीछे जिन भी लोगों का हाथ है उनका खुलासा हो, उनकी गिरफ्तारी हो और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। इस घटना से पूरे देश का जैन समाज आज खुद को असुरक्षित और ठगा हुआ महसूस कर रहा है। जैन साधु-संत संपूर्ण जीवन पैदल विहार करते हैं, वे पूर्णतः निहत्थे और अपरिग्रही होते हैं। जो संत संपूर्ण विश्व को शांति और संयम का संदेश देते हैं, यदि वे ही सुरक्षित नहीं हैं, तो यह शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर एक बहुत बड़ा कलंक है। बार-बार हमारे संतों के साथ हो रही ऐसी घटनाएँ और प्रशासन की शिथिलता हमारी सहनशीलता की अंतिम सीमा को पार कर चुकी है। समाज ने त्वरित निष्पक्ष उच्चस्तरीय जाँच की मांग करते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

## सारंग ने करोड़ों की लागत से होने वाले विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

**भोपाल।** सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 78 विश्वकर्मा नगर में 23 करोड़ से अधिक की लागत से होने वाली सीवेज परियोजना एवं अन्य विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। सारंग ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल विकास कार्य करना नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को सुगम भी बनाना है। इस परियोजना से स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी, जलभराव एवं गंदगी की समस्या से राहत मिलेगी। विश्वकर्मा नगर में 23 करोड़ से अधिक की लागत से निर्माण होने वाली इस परियोजना के अंतर्गत 13 करोड़ रुपये की लागत से 42 किलोमीटर लंबा सीवर नेटवर्क बनाया जाएगा।

## शिक्षक संघ ने छुट्टियां बढ़ाने की मांग की

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी और शिक्षकों की व्यस्तता को देखते हुए समग्र शिक्षक संघ ने स्कूलों की गर्मी की छुट्टियां बढ़ाने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश चंद्र दुबे और महामंत्री संजय तिवारी ने स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को पत्र लिखकर ग्रीष्मकालीन अवकाश 21 जून तक बढ़ाने की अपील की है। संघ का कहना है कि वर्तमान में अधिकांश शिक्षक जनगणना कार्य में लगे हुए हैं, जिससे उन्हें वास्तविक अवकाश का लाभ नहीं मिल पा रहा है। साथ ही प्रदेश में तापमान 45 से 48 डिग्री तक पहुंचने से बच्चों और शिक्षकों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बना हुआ है। ऐसे में स्कूल आना-जाना जोखिमपूर्ण है। शिक्षक संघ ने मांग की है कि अवकाश बढ़ाकर 21 जून किया जाए और स्कूलों का संचालन 22 जून से शुरू किया जाए।

# मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप के 47 गायकों ने गाए 60 गाने

**संतनगर. दोपहर मेट्रो।**

मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप के 45वें गीत-संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 47 गायकों ने 60 गानों की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत में रामचंद्र सभनानी आयोजक योगेश मालानी ने अतिथियों का शाल एवं श्रीफल देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि हीरो हिंदू और विशेष अतिथि निवेदिता व्यास ने ग्रुप को 45वें आयोजन की बधाई दी।

पत्रकार सुमित शर्मा ने कहा कि यह इकलौता ऐसा ग्रुप है जो रोज सुबह गुलाब उद्यान में वॉक करने के बाद कैरियोके प्रोग्राम करता है, जिसमें प्रतिदिन लगभग 20 गायक अपनी सहभागिता देते हैं। वहीं, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता दुर्गेश केसवानी ने कहा कि एक छोटे से पौधे के रूप में शुरू हुआ यह मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप आज एक विशाल वट वृक्ष बन चुका है, जहां इतने सारे गायक अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियां दे रहे हैं। कार्यक्रम के आयोजक योगेश मालानी थे। एंकरिंग बीनू यादव और मंच संचालन रमेश जनयानी ने किया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सौरभ गंगारमानी, लक्ष्मणदास आसवानी, निवेदिता व्यास, सोनल सुमित शर्मा, रश्मि दुबे और विवेक दुबे ने भी शिरकत की।

## राजधानी के रेल घाट चौराहे पर ट्रैफिक सिस्टम पूरी तरह बेपटरी

भोपाल। रेल घाट चौराहे पर ट्रैफिक व्यवस्था दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। शहर के व्यस्ततम चौराहों में शामिल इस इलाके में यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, लेकिन यातायात पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। चौराहे पर हालात ऐसे हैं कि सिग्नल चालू होने के बावजूद वाहन चालक अपनी मनमर्जी से गाड़ियां निकाल रहे हैं। कोई वाहन दाईं ओर से निकल रहा है तो कोई गलत दिशा में घुसकर ट्रैफिक जाम बढ़ा रहा है।

# समर कैंप : बच्चों ने सीखा गर्मी की छुट्टियों में हुनर

**संतनगर. दोपहर मेट्रो।**

नवयुवक सभा द्वारा संचालित डीडी प्ले स्कूल में चल रहे समर कैंप का समापन हो गया। इस मौके पर सभा के पदाधिकारियों ने कैंप का विशेष अवलोकन भी किया। विद्यालय की इंचार्ज हेमलता संगतानी ने बताया कि आमतौर पर बड़े बच्चे ही समर कैंपों का हिस्सा बनते हैं, लेकिन यहां छोटे बच्चों ने भी अपनी गर्मियों की छुट्टियों का रचनात्मक सदुपयोग किया। उन्होंने आगे कहा कि आजकल के बच्चे मोबाइल फोन पर बहुत अधिक समय बिताते हैं, लेकिन इस समर कैंप के माध्यम से वे मोबाइल की स्क्रीन से दूर रहे और कई मनोरंजक गतिविधियों से जुड़े। कैंप के दौरान बच्चों को डांस, आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्राइंग, हिंदी व इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स और राइटिंग का विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उनकी प्रतिभा में निखार आया। समर कैंप के समापन के इस खास अवसर पर बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए नवयुवक सभा प्रबंध समिति के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी, सचिव सुरेश राजपाल, विद्यालय की प्राचार्या ज्योति चौहान, नवयुवक सभा शिक्षा समिति के धर्म प्रकाश मोटवानी और पुरुषोत्तम टिलवानी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# पुस्तक विमोचन व रचना विमर्श कार्यक्रम आयोजित

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

निराला सृजन पीठ, साहित्य अकादमी, संस्कृति परिषद, मध्य प्रदेश द्वारा व्याख्यान, रचना विमर्श एवं पुस्तक लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें राष्ट्रीय अस्मिता के स्वर डॉ. देवेंद्र दीपक विषय पर देश के विभिन्न भागों से आए अतिथियों ने विचार विमर्श किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जनसंपर्क अधिकारी लाजपत आहूजा ने की। मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु प्रो. देवानंद हिंडोलिया, सारस्वत अतिथि डॉ. विकास दवे निदेशक साहित्य परिषद रहे। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. देवेंद्र दीपक पर केंद्रित अभिनंदन ग्रन्थ शब्द शब्द उन्मेष एवं सुषेण पर्व दृष्टि और मूल्यांकन का भी विमोचन किया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री आहूजा ने कहा कि डॉ दीपक के कुछ अवसरों का मैं साक्षी रहा हूं। डॉ. दीपक ने युवाओं के बीच अपनी देहदान का संकल्प व्यक्त किया, ताकि समाज तक सकारात्मक संदेश जाए। मुख्य अतिथि प्रो. देवानंद हिंडोलिया ने कहा कि डॉ दीपक जैसे व्यक्तित्व का मार्गदर्शन समाज को आगे ले जाने वाला है। सारस्वत अतिथि डॉ. विकास दवे ने कहा कि जब आदि ऋषियों के बारे में पढ़ते हैं तब सोचने में आता है कि वे कैसे होते होंगे पर जब डॉ. दीपक को देखते हैं तब लगता है कि वे इनकी तरह ही होते हैं। डॉ दीपक का साहित्य अनेक उपयोगी सूक्तियों से भरा पड़ा है। आपातकाल के दौरान कष्ट भोगते हुए जिन लेखकों ने अपनी लेखनी की धार को बनाए रखा उनमें से वे भी हैं। डॉ. टिक मणि पटवारी ने कहा कि भारतीय सनातन कथाओं में नैतिक मूल्यों को प्रचारित किया जाता है, इन्हीं मूल्यों पर आधारित कांवड़ श्रवण कुमार की के माध्यम से डॉ. दीपक ने इन जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना की है। कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र सोलंकी ने किया।

सिंधी समाज ने संत साधराम साहिब को दी श्रद्धांजलि

# साधराम साहिब ने पूरा जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित किया: सबनानी

**संतनगर. दोपहर मेट्रो।**

सिंध प्रांत (पाकिस्तान) स्थित एसएसडी धाम रहड़की साहिब के गद्दीनशीन संत साधराम साहिब के ब्रह्मलीन होने से पूरे देश-विदेश के सिंधी समाज में शोक की गहरी लहर है। भोपाल में सिंधी समाज द्वारा एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जहां समाज के लोगों ने नम आँखों से अपने प्रिय संत को याद किया।

इस शोक सभा में हजारों की संख्या में उनके अनुयायियों, समाजसेवियों, संतों, गुरुजनों, विभिन्न पंचायतों के मुखियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने रवीन्द्र भवन पहुँचकर संत जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। सभा में विधायक भगवान दास सबनानी ने कहा कि संत साधराम साहिब ने अपना पूरा जीवन नाम-सिमरन, ध्यान और मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया था; उनके इस तरह अचानक चले जाने से सिंधी समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने भी साईं जन द्वारा किए गए जन कल्याणकारी कार्यों को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

इसके साथ ही साईं तुलसी दास, सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष किशोर तनवानी, महापौर मालती राय, गोविंद गोयल, राजेंद्र मनवानी और मनोहर ममतानी ने भी अपने विचार व्यक्त कर संत जी को श्रद्धांजलि दी। इस भावुक क्षण पर करुणाधाम आश्रम के साईं शांडिल्य जी महाराज, लखी साई, बंटी साई, जयकिशन लालचंदानी, दीपक लालचंदानी, सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी, दुर्गेश केसवानी, राकेश कुकरेजा, नरेश तलरेजा, रवि आनंद, मोहित शेवानी और राम आसुदानी सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक और महिलाएँ उपस्थित थीं।

**मेट्रो एंकर**

### ऋषिवाटिका शिविर 'गुरुकुलम' का आयोजन

# गीत-नृत्य के माध्यम से बच्चों ने दिया भारतीय संस्कृति का संदेश

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

कोलार रोड स्थित एलएनसीटी ऑडिटोरियम भारतीय संस्कृति, संस्कार और बाल प्रतिभाओं की सृजनात्मक अभिव्यक्तियों से जीवंत हो उठा, जब 'ऋषिवाटिका शिविर - गुरुकुलम' का समापन समारोह उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया।

'गुरुकुल - चरित्र निर्माण का केंद्र' थीम पर आयोजित इस शिविर के अंतिम दिन बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, योग प्रदर्शन और अनुभव साझा कर भारतीय जीवन मूल्यों की सुंदर झलक प्रस्तुत की। समारोह का वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार, भारतीय परंपरा और सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत दिखाई दिया। शिविर के दौरान बच्चों ने योग, स्वाध्याय, ध्यान, सेवा भावना और अनुशासन जैसे मूल्यों को आत्मसात किया, जिसकी झलक

मंचीय प्रस्तुतियों में स्पष्ट रूप से देखने को मिली। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य और प्रेरणादायी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति के विविध रंगों को अभिव्यक्त किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में करियर काउंसलर प्रो. अभिषेक दुबे, एसपी रेडियो शशांक गर्ग तथा संस्कृति परिषद के उप संचालक अमित कुमार यादव उपस्थित रहे।

अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा और आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। समापन समारोह में बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। नन्हे प्रतिभागियों ने भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत गीत, नृत्य और लघु मंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों ने योग, ध्यान और गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति की गरिमा को जीवंत कर दिया। समूह नृत्यों में लोकसंस्कृति की झलक दिखाई दी, वहीं प्रेरणादायी गीतों ने वातावरण को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। बच्चों ने अपने आत्मविश्वास, अनुशासन और रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन करते हुए दर्शकों से खूब सराहना बटोरी। अभिभावकों और अतिथियों ने तालियों की गूंज के साथ बाल प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया। प्रस्तुतियों ने यह संदेश भी दिया कि संस्कार और संस्कृति से जुड़ी शिक्षा बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समापन समारोह में अभिभावकों की बड़ी संख्या मौजूद रही। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों का उत्साह, मंच की सांस्कृतिक सज्जा और भारतीय परंपरा की सौम्य अभिव्यक्ति वातावरण को उत्सवमय बनाती रही। 'गुरुकुलम' का यह समापन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संस्कार, शिक्षा और भारतीयता के समन्वय का प्रेरक उत्सव बनकर उपस्थित जनों के मन में गहरी छाप छोड़ गया।

# बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेजा

**भोपाल।** अयोध्या नगर थाना पुलिस ने अड़ीबाज और मारपीट करने के वाले फरार बदमाश राबिन को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपी के विरुद्ध अलग-अलग थानों में अड़ीबाजी सहित प्रकरण दर्ज हैं। चाय-नाश्ता का होटल चलाने वाले रितेश अग्रवाल को रात करीब 8.30 बजे मिनाल गेट न. एक के पास आरोपी गौरव ठाकुर, रोविन राय और रवि शर्मा ने जबरदस्ती शराब पिलाने के लिए दबाव बनाते हुए, पैसे मांगे, पैसे नहीं देने को आरोपियों ने उसे गंदी गालियां देते हुए लातघूसों से मारपीट की थी, जिस पर थाना अयोध्यानगर में प्रकरण पंजीबद्ध हुआ था।

जल संरक्षण का
जनआंदोलन
जल संरक्षण को जन-जन से जोड़ने का
जल गंगा संवर्धन अभियान-2026
(19 मार्च - 30 जून)
अंतर्गत
गंगा दशहरा के पावन अवसर पर
प्रदेशव्यापी जनसहभागिता कार्यक्रम
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
25 मई, 2026 । धार, मध्यप्रदेश
जल संरक्षण में राष्ट्रीय गौरव
• भारत सरकार के जल संचय-जनभागीदारी अभियान 2026 में मध्यप्रदेश चल रहा देश में अग्रणी
• प्रदर्शन के स्तर पर देश के टॉप 10 जिलों में मध्यप्रदेश के खण्डवा, डिंडौरी, शहडोल और राजगढ़ जिले शामिल
ऐतिहासिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन
• बावड़ी एवं मंदिर तालाबों का जीर्णोद्धार
• 5,000+ पुराने जल स्रोत संवारे गए
• 40 लाख+ नागरिकों की सहभागिता
ग्रामीण जल संरक्षण
• 86 हजार+ खेत तालाब और 553 अमृत सरोवरों का निर्माण
• 1.04 लाख कुओं का पुनर्भरण
जल गंगा संवर्धन अभियान 2025
उपलब्धियाँ
जनजागरूकता एवं जल संरक्षण
• 2.30 लाख जलदूत पंजीकृत
• 40 हजार कृषकों का पंजीयन कर ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सुविधा का विस्तार
• नहरों एवं जल संरचनाओं का अभिलेखीकरण
शहरी जल संवर्धन
• 3,300+ जल स्रोतों का पुनर्जीवन
• 2,200 नालों की सफाई
• 4,000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण
नदी संरक्षण एवं हरित विकास
• 57 नदियों में मिलने वाले 194 नालों का शोधन, गंगोत्री हरित योजना में 145 नदी उद्गम क्षेत्रों का विकास
• वन्य जीवों के लिए 2,500+ जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण
वर्ष 2026 का लक्ष्य
₹ 10,666 करोड़ लागत के
3.68 लाख जल संरक्षण कार्य
19 मार्च से अब तक 1.91 लाख
से अधिक कार्य पूर्ण
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-11024/26
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

## समुद्री मार्ग पर टिकती नजर

जब दुनिया की नजरें अफ्रीका और यूरोप के बीच समुद्री मार्गों पर टिकती हैं, तब भारत की निगाहें उसके दक्षिणी द्वार- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह- पर केंद्रित होती हैं। हिमालय जैसे हमारे उत्तरी सीमान्त की पहरेदारी करता है, वैसे ही अंडमान-निकोबार हिंद महासागर में हमारे समुद्री हितों का प्रहरी है। मलक्का जलडमरूमध्य से केवल 160 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कार-निकोबार द्वीप, वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति की धमनियों पर हमारी नजर बनाए रखता है। 2001 में शुरू हुई ग्रेट-निकोबार परियोजना इसी सामरिक दृष्टि का परिणाम है। दस अरब डॉलर के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का उद्देश्य सिर्फ बंदरगाहों का निर्माण नहीं, बल्कि भारत के मालवाहक जहाजों को विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता से मुक्त करना है। जब यह योजना पूरी होगी, तब भारतीय जहाज सीधे निकोबार से अपने समुद्री मार्ग पर रवाना हो सकेंगे। यह केवल आर्थिक पहल नहीं, बल्कि हिंद महासागर में भारत की प्रभाव क्षमता का भी संकेत है। सामरिक दृष्टि से अंडमान-निकोबार की भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। 2001 में स्थापित थिएटर कमांड के तहत थलसेना, नौसेना और वायुसेना की तुकड़ियों के साथ कोस्ट गार्ड भी शामिल हैं। यह एक केंद्रीकृत नियंत्रण प्रणाली है, जो किसी भी संकट या आक्रामकता के समय त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करती है। साथ ही, अग्रिम निगरानी केंद्र समुद्र की सतह और गहराई तक गतिविधियों पर नजर रखता है, जिससे भारत समुद्री व्यापारिक मार्गों और सामरिक हितों की सुरक्षा कर सकता है। विश्व के बढ़ते समुद्री संघर्षों और चीन की हिंद महासागर में बढ़ती आक्रामकता के बीच, क्वाड जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के सहयोग से अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की अहमियत और बढ़ गई है। यह केवल भूगोल की जीत नहीं, बल्कि रणनीति और दूरदर्शिता की भी जीत है। ग्रेट-निकोबार परियोजना भारत को न केवल एक समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित करती है, बल्कि इस क्षेत्र में उसकी सशक्त उपस्थिति का संदेश भी देती है। इस प्रकार, अंडमान-निकोबार के द्वीप अब सिर्फ भूमि के टुकड़े नहीं, बल्कि हिंद महासागर में भारत की सुरक्षा, व्यापार और सामरिक संतुलन का प्रतीक बन चुके हैं।

# गंगा दशहरा.. जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व, हर नागरिक का सहयोग अपेक्षित

**डॉ. मोहन यादव**
मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म में नदियों को मात्र जल स्रोत नहीं, बल्कि देवी के रूप में पूजा जाता है। इनमें गंगा का स्थान सर्वोपरि है। गंगा दशहरा या गंगावतरण ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला प्रमुख त्यौहार है। इस दिन को गंगा दशहरा, गंगा दशमी या दशहरा के नाम से जाना जाता है। यह पर्व गंगा नदी के पृथ्वी पर अवतरण की स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल, गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व है।

गंगा यानी पवित्र-साफ जल के इसी महत्व को समझते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जल संरक्षण को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने जल को विकास का प्रमुख पैरामीटर बनाते हुए हर घर जल और जल है तो कल है के संकल्प को साकार किया। उनके नेतृत्व में जल शक्ति मंत्रालय का गठन, जल जीवन मिशन, नमामी गंगे, अमृत सरोवर मिशन और जल शक्ति अभियान जैसी ऐतिहासिक पहल हुईं, जिन्होंने देश की जल सुरक्षा को नई दिशा दी है। अमृत सरोवर योजना ने जल संरक्षण को नया आयाम दिया। प्रत्येक जिले में 75 जलाशयों के निर्माण या पुनरुद्धार का लक्ष्य रखा गया। अब तक 70 हजार से अधिक अमृत सरोवर तैयार हो चुके हैं। इनसे वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्ज और सिंचाई सुविधा बढ़ी है। यह मिशन आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है और सामुदायिक भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। नमामी गंगे परियोजना, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, नदी फ्रंट विकास और जैव विविधता संरक्षण के कार्य भी हो रहे हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाके तहत प्रति बूंद अधिक फसल का मंत्र दिया गया, जिसमें ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला। कैच द रेन अभियान ने वर्षा जल संचयन को जन आंदोलन बनाया। प्रधानमंत्री ने बार-बार कहा कि पानी बचाना स्वच्छ भारत मिशन की तरह सामूहिक दायित्व है। उनके मार्गदर्शन में लाखों जल संरचनाएं बनीं, चेकडैम, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार हुआ।

इन प्रयासों का परिणाम साफ दिखता है। भूजल रिचार्ज बढ़ा है, ओवर-एक्सप्लॉइटेड इकाइयों की संख्या घटी है और कई जिलों में जल संकट कम हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का विजन केवल बुनियादी ढांचा निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि जल संरक्षण को संस्कृति और आदत बनाने का है। वे बच्चों को वाटर वॉरियर्स बनाने और समाज को जिम्मेदार बनाने पर जोर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण भारत की विकास यात्रा का अभिन्न अंग बन गया है। ये प्रयास न केवल वर्तमान की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल-समृद्ध भारत का आधार तैयार कर रहे हैं। जल संरक्षण अब मात्र नीति नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बन चुका है।

मध्यप्रदेश भी, जिसे प्राकृतिक जल संसाधनों से समृद्ध माना जाता है, जल संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल कर रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान एक राज्य स्तरीय जन आंदोलन है। वर्ष 2025 में यह अभियान 19 मार्च से 30 जून तक चलाया गया। चालू वर्ष-2026 में भी यह अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन करना है, ताकि प्रदेश जल संकट से मुक्त हो सके।अभियान के तहत नदियों, तालाबों, कुओं, बावड़ियों, चेकडैम और अन्य जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, गहरीकरण, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। नए जल स्रोतों का निर्माण, वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्ज और पुरानी जल संरचनाओं का पुनरुद्धार अभियान के प्रमुख स्तंभ हैं। प्रदेश में 10 हजार से अधिक चेकडैम और स्टॉपडैम के संधारण, हजारों तालाबों के गहरीकरण, नई जल संरचनाओं का निर्माण और लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, जनप्रतिनिधियों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। यहां की अर्थव्यवस्था और किसानों की समृद्धि जल पर निर्भर है। बढ़ती जनसंख्या, अनियमित वर्षा, भूजल स्तर में गिरावट और जल प्रदूषण ने जल संकट को गहरा दिया है। इस अभियान का महत्व इन्हीं चुनौतियों के समाधान में निहित है। अभियान से वर्षा जल का अधिकतम संचयन होता है, जिससे सिंचाई सुविधा बढ़ती है। भूजल स्तर में वृद्धि से सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भी फसल उत्पादन संभव होता है। खेत तालाबों, रिज-टू-वैली मॉडल और जल संरक्षण संरचनाओं से किसानों की आय बढ़ रही है। मध्यप्रदेश में प्राचीन बावड़ियां, तालाब और जल संरचनाएं सांस्कृतिक धरोहर हैं। उनका जीर्णोद्धार सांस्कृतिक गौरव बढ़ाता है और पर्यटन को बढ़ावा देता है।अभियान जनभागीदारी पर आधारित है। पानी चौपाल जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को कम पानी वाली फसलें, ड्रिप सिंचाई और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इससे जल संरक्षण की संस्कृति विकसित हो रही है। महिलाओं और युवाओं की भागीदारी से सामुदायिक जिम्मेदारी बढ़ रही है।

इस अभियान से मध्यप्रदेश जल संरक्षण में देश का अग्रणी राज्य बन रहा है। अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में भारी वृद्धि, नदियों का पुनःप्रवाह और लाखों जल संरचनाओं का निर्माण राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। यह अभियान केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प है।यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में यह जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने में सफल हो रहा है।यह मध्यप्रदेश के भविष्य की नींव है। यह हमें सिखाता है कि जल ही जीवन है और उसकी रक्षा हमारा दायित्व है। यदि हम आज जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियां समृद्ध जल संसाधनों का उपयोग कर सकेंगी। प्रदेशवासियों को इस अभियान से जुड़कर जल संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। स्वच्छ, समृद्ध और जल-सम्पन्न मध्यप्रदेश का सपना तभी साकार होगा जब हर नागरिक इसमें अपना योगदान देगा।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# मातृ वंदना और रूबेला टीकाकरण से बदलती देश की नई पीढ़ी की तस्वीर

**कांतिलाल मांडोत**
स्तंभकार

भारत में बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में पिछले कुछ वर्षों में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। कुपोषण कम करने स्वस्थ गर्भावस्था सुनिश्चित करने और नवजात बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। हाल ही में सामने आई रिपोर्टों ने यह साबित किया है कि सही नीति मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और जागरूकता के जरिए बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और खसरा रुबेला टीकाकरण अभियान इसी बदलाव के सबसे बड़े उदाहरण बनकर उभरे हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता देकर उन्हें बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। वर्ष 2010 में शुरू हुई इस योजना ने धीरे धीरे देश की लाखों महिलाओं और बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया। रिपोर्ट के अनुसार इस योजना के कारण बच्चों के औसत वजन में 130 से 165 ग्राम तक वृद्धि दर्ज की गई है जबकि उनकी लंबाई में भी 0.22 से 0.46 सेंटीमीटर तक सुधार हुआ है। पहली नजर में यह आंकड़े छोटे लग सकते हैं लेकिन चिकित्सा विज्ञान के अनुसार नवजात बच्चों के लिए यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। जन्म के समय वजन और लंबाई में सुधार भविष्य में बच्चों की शारीरिक और मानसिक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है। आसियटन के इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार रिपोर्ट में बताया गया है कि इस योजना ने महिलाओं के खानपान और स्वास्थ्य व्यवहार में बड़ा परिवर्तन किया। गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उन्हें पौष्टिक भोजन लेने में मदद की। इससे महिलाओं की कमजोरी कम हुई और बच्चों को जन्म से पहले ही बेहतर पोषण मिल सका। यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी कैश ट्रांसफर योजनाओं में शामिल है जो सीधे गर्भवती महिलाओं को लाभ पहुंचाती है। रिपोर्ट में वर्ष 2005 से 2021 तक के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों और 96 हजार से अधिक बच्चों के जन्म से जुड़े डाटा का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि योजना के कारण गरीब परिवारों की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ। पहले जहां 1400 रुपए से कम सहायता पाने वाली महिलाओं की संख्या बहुत अधिक थी वहीं अब बड़ी संख्या में महिलाएं अधिक सहायता प्राप्त कर रही हैं। इससे उनके भोजन और देखभाल की स्थिति बेहतर हुई।

गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार का सीधा असर बच्चों पर दिखाई दिया। छह से तेईस माह तक के बच्चों में दूध दही अंडे मांस मछली और फल सब्जियों के सेवन का प्रतिशत बढ़ा है। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि परिवारों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। बच्चों के शरीर और मस्तिष्क के विकास के लिए संतुलित भोजन बेहद जरूरी होता है और यही कारण है कि अब बच्चों की वृद्धि में सुधार देखने को मिल रहा है।

योजना का एक बड़ा प्रभाव गर्भावस्था की देखभाल में भी दिखाई दिया। पहले कई महिलाएं समय पर पंजीकरण नहीं करवाती थीं और अस्पतालों में नियमित जांच से दूर रहती थीं। अब गर्भ पंजीकरण का प्रतिशत 93 से बढ़कर 97 तक पहुंच गया है। इससे डॉक्टरों को समय रहते गर्भवती महिलाओं की स्थिति पर नजर रखने का मौका मिला। कई जटिलताओं का इलाज समय पर संभव हुआ और मातृ मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिली। बच्चों के टीकाकरण में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। पूर्ण टीकाकरण का प्रतिशत 70 से बढ़कर 82 तक पहुंच गया। यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाएं अब गांव और दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं। टीकाकरण केवल एक इंजेक्शन नहीं बल्कि बच्चे को भविष्य की गंभीर बीमारियों से बचाने का सुरक्षा कवच है। इसी कड़ी में खसरा रुबेला टीकाकरण अभियान ने भी बड़ी सफलता हासिल की है। रुबेला एक ऐसी बीमारी है जो गर्भवती महिलाओं को संक्रमित करने पर नवजात बच्चों में गंभीर जन्मजात विकृतियां पैदा कर सकती है। इससे बच्चों में हृदय रोग आंखों की कमजोरी सुनने की समस्या और मानसिक विकास में बाधा जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं। कई मामलों में बच्चों की मौत भी हो जाती है।

वर्ष 2017 में देश में हर दस हजार बच्चों में औसतन 5.2 बच्चे जन्मजात रुबेला सिंड्रोम से प्रभावित पाए जाते थे। लेकिन वर्ष 2025 तक यह आंकड़ा घटकर केवल 0.78 प्रति दस हजार रह गया है। यह उपलब्धि भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान सहित देश के कई बड़े चिकित्सा संस्थानों ने इसका श्रेय खसरा रुबेला टीकाकरण अभियान को दिया है।

भारत में एक समय ऐसा था जब दुनिया के कुल जन्मजात रुबेला सिंड्रोम मामलों में 38 प्रतिशत मामले अकेले भारत में पाए जाते थे। हर वर्ष लगभग 40 हजार बच्चे इस बीमारी के कारण विकृति या मौत का शिकार हो रहे थे। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सरकार ने वर्ष 2026 तक इस बीमारी के उन्मूलन का लक्ष्य तय किया। इसके लिए वर्ष 2016 से देशभर में निगरानी और टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। नौ माह से चौदह वर्ष तक के बच्चों को इस अभियान में शामिल किया गया। वर्ष 2017 से 2025 के बीच टीकाकरण का प्रतिशत केवल छह प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह बदलाव भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था और जनजागरूकता दोनों की सफलता को दर्शाता है। गांव गांव में स्वास्थ्यकर्मियों ने जाकर बच्चों को टीके लगाए और अभिभावकों को इसके महत्व के बारे में समझाया।

आज भारत दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है कि मजबूत इच्छाशक्ति सही योजना और जनभागीदारी के जरिए बड़े स्वास्थ्य संकटों पर विजय पाई जा सकती है। यदि इसी तरह स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होता रहा और लोगों में जागरूकता बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में भारत कुपोषण और जन्मजात बीमारियों के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल कर सकता है। स्वस्थ मां और स्वस्थ बच्चा ही किसी भी राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला होते हैं।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

**हेल्थ अलर्ट**

# ज्यादा चीनी-मीठी ड्रिंक्स से लिवर को सीधा नुकसान, आसान हैं बचने के उपाय

हमारी रोज की अनहेल्दी आदतें लिवर को बीमार करने का काम करती हैं। इसके बाद बैड कोलेस्ट्रॉल बिगड़ सकता है और डायजेशन व एनर्जी में कमी आ सकती है। भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक पोस्ट करके इस अंग को नुकसान पहुंचाने वाली चीजें और फैटी लिवर से बचाने वाले उपायों के बारे में बताया है।

लिवर में खराबी आते ही पूरे शरीर का काम बिगड़ सकता है। शरीर की अंदरुनी प्राकृतिक सफाई कम हो सकती है, खाना पचना कम हो सकता है, मोटापा बढ़ सकता है और विटामिन-मिनरल्स-हॉर्मोन में गड़बड़ी आ सकती है। लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि आप छोटी-छोटी बातों को फॉलो करके इन सभी समस्याओं से बच सकते है। जिसमें ज्यादा चीनी और मीठी ड्रिंक्स से दूर रहना भी शामिल है।

चीनी आंतों से गुजरते हुए फ्रुक्टोज और ग्लूकोज के रूप में लिवर तक पहुंचती है। एनसीबीआई पर मौजूद शोध के मुताबिक, जब आप जरूरत से ज्यादा चीनी का सेवन करते हैं तो इंसुलिन का लेवल बहुत हाई हो जाता है। इससे लिवर को संकेत मिलता है कि अब ग्लूकोज और फ्रुक्टोज को अपने भीतर फैट के रूप में स्टोर करने का वक्त आ गया है और जब शरीर को अपर्याप्त ग्लूकोज के दौरान एनर्जी की जरूरत हो तो इस स्टोर फैट को एनर्जी बनाने के लिए इस्तेमाल करना है।

**मीठी ड्रिंक्स का लिवर पर असर:** मीठी ड्रिंक्स में फ्रुक्टोज, ग्लूकोज, आर्टिफिशियल स्वीटनर्स और अन्य एडिक्टिव्स हो सकते हैं। एनसीबीआई पर मौजूद शोध के मुताबिक, मीठी ड्रिंक्स के ग्लूकोज-फ्रुक्टोज चीनी के मुकाबले ज्यादा तेजी से लिवर में अवशोषित होते हैं। साथ ही ड्रिंक्स में एक बार में ज्यादा शुगर लेने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसका मतलब है कि मीठी ड्रिंक्स के सेवन से तेजी से फैटी लिवर विकसित हो सकता है। साथ में ड्रिंक्स में मौजूद अन्य केमिकल, एडिक्टिव्स, आर्टिफिशियल कलर या सोडा लिवर को और ज्यादा हानि पहुंचाते हैं।

**फैटी लिवर से बचने के तरीके:** संतुलित डाइट लेने से लिवर पर बोझ बढ़ाए बिना आवश्यक विटामिन व मिनरल मिलते हैं। यह पोषक तत्व लिवर के नेचुरल डिटॉक्सिफिकेशन को सुधारने में मदद करते हैं। इससे इंफ्लामेशन और फैट बिल्ड अप में कमी आती है। ताजे फलों में एंटीऑक्सीडेंट्स, पोलीफेनोल्स और फाइबर होता है। ये सभी चीजें लिवर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करती हैं, जो कि लिवर डिजीज का बड़ा कारण है।

हाइड्रेशन सही रखने से लिवर की सेल्स व उनका फंक्शन सही रहता है। इसके कारण टॉक्सिन आसानी से बाहर निकलते रहते हैं, बाइल प्रोडक्शन बेहतर रहता है और मेटाबॉलिक स्ट्रेन नहीं होता।

**निशाना**

## कोई अच्छा नहीं लगता..!

दिनेश मालवीय 'अश्क'

तुम्हें किस रोग ने घेरा, कोई अच्छा नहीं लगता
कोई सीधा नहीं लगता,कोई सच्चा नहीं लगता।
ख़बर कोई भी तब तक मीडिया लाता न परदे पर
सियासी कोई उसमें जब तलक तड़का नहीं लगता।
गंवाकर रात की इक नींद कर ली है ग़ज़ल पूरी
बता शायर कि यह सौदा तुझे सस्ता नहीं लगता।
कभी कहता है देखूंगा, कभी कहता है सोचूंगा
मुझे बंदा वो अपनी बात का पक्का नहीं लगता।
मुसलसल बोलता है तू ही सच है और सब झूठे
पढ़ा जो वह गुना तूने मुझे ऐसा नहीं लगता।
यह पूछा एक दिन बस्ती में रहबर से कटे क्यों हो
वो बोले अब हमारे बीच वो हम सा नहीं लगता।
कभी होकर भी कोई ग़ैर अपना सा बहुत लगता
कभी अपना भी रहकर साथ में अपना नहीं लगता।
सभी यह पूछते मुझसे हैं कि तू लगता है क्या मेरा
मैं कहता हूं यह मुझसे से पूछिए वो क्या नहीं लगता।
सभी तो कर रहे हैं कुछ सभी मसरूफ़ ही तो हैं
कभी लेकिन मुझे कुछ कोई भी करता नहीं लगता।

**वायरल कंटेंट**

# AI टेक्नोलॉजी के साथ सब्जी बेचता दिखा युवक, इंजीनियरों को भी दे रहा टक्कर

**सोशल** मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा चौंकाने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद लोग हैरानी में पड़ गए हैं। वीडियो में दिखाई देने वाला नजारा इतना अजीब है कि इंटरनेट यूजर्स भी इसे बार-बार देखने पर मजबूर हो रहे हैं।

भारत की टेक राजधानी बेंगलुरु एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गई है। इस बार वजह कोई स्टार्टअप या रोबोट नहीं, बल्कि एक साधारण सब्जी विक्रेता है, जिसे सड़क किनारे सब्जियां बेचते समय हाई-टेक AI डिवाइस पहने देखा गया। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा यह शख्स सिर पर कैमरा और सेंसर से लैस खास हेडसेट लगाए हुए है। दावा किया जा रहा है कि वह सब्जियां बेचने के साथ-साथ AI कंपनियों के लिए डेटा कलेक्शन का काम भी कर रहा है और इसी से हर महीने करीब 1 लाख रुपये तक कमा रहा है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वीडियो ने इंटरनेट पर बहस जरूर छेड़ दी है।

यह वीडियो इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सब्जी विक्रेता सामान्य तरीके से ग्राहकों से बात करता और सब्जियां बेचता दिखाई देता है, लेकिन उसके सिर पर लगा स्मार्ट डिवाइस लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि यह उपकरण इंसानों की बातचीत, गतिविधियों और रोजमर्रा के व्यवहार से जुड़ा डेटा रिकॉर्ड करता है, जिसका इस्तेमाल AI मॉडल को ट्रेन करने में किया जाता है। माना जा रहा है कि ऐसी तकनीकें भविष्य की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणालियों को ज्यादा स्मार्ट बनाने में मदद करती हैं।

वीडियो सामने आने के बाद इंटरनेट यूजर्स ने इसे भविष्य की झलक बताना शुरू कर दिया। कई लोगों का कहना है कि बेंगलुरु जैसे शहरों में टेक्नोलॉजी अब आम जिंदगी का हिस्सा बनती जा रही है। एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा, यहां आप टमाटर खरीदते-खरीदते AI मॉडल भी ट्रेन करवा सकते हैं। वहीं दूसरे यूजर ने कहा, यह जितना दिलचस्प है, उतना ही डराने वाला भी है। ऐसा लग रहा है जैसे साइबरपंक दुनिया सच हो गई हो।

कुछ यूजर्स इस वायरल वीडियो को भारत में बदलते रोजगार के नए संकेत के तौर पर भी देख रहे हैं। लोगों का कहना है कि आने वाले समय में पारंपरिक नौकरियों के साथ-साथ AI आधारित अतिरिक्त काम तेजी से बढ़ सकते हैं। एक यूजर ने लिखा, अगर यह सच है, तो यह दिखाता है कि लोग टेक्नोलॉजी की मदद से कमाई के नए रास्ते ढूंढ रहे हैं। वहीं किसी ने कहा, अब सब्जी वाला भी सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को टक्कर देता नजर आ रहा है। हालांकि वीडियो में किए गए वेतन और तकनीक से जुड़े दावों की पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन इसने एक बार फिर यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि आने वाले समय में AI और इंसानी जिंदगी का रिश्ता कितना गहरा होने वाला है।

**टेक्नो अपडेट**

# 5G राउटर वाली Wi-Fi तकनीक, तारों के जाल के बिना मिलेगी अच्छी इंटरनेट स्पीड

**अब** घर में फास्ट इंटरनेट पाने के लिए तारों का जाल बिछाने की जरूरत नहीं है। बिना किसी तार के आपके घर के कोने-कोने में इंटरनेट पहुंचाने वाली WiFi से आगे की तकनीक आ चुकी है और इन्हें 5G राउटर कहा जाता है। भले इसका काम भी आपको इंटरनेट से कनेक्ट करना हो, लेकिन यह कोई आम Wi-Fi बॉक्स नहीं है। असल में यह एक पोर्टेबल डिवाइस होता है, जिसे आप जहां चाहें वहां इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसके अलावा 5G होने की वजह से यह काफी तेज इंटरनेट स्पीड भी उपलब्ध करवा पाता है। सीधे सेलुलर नेटवर्क से कनेक्टेड होने की वजह से इसे फाइबर या किसी और तरह के तारों के जंजाल की जरूरत नहीं पड़ती। इससे आपके घर या ऑफिस का WiFi इंटरनेट सेटअप काफी क्लीन रहते हुए भी, जबरदस्त स्पीड देता है।

घर में लगा एक साधारण WiFi राउटर फाइबर केबल या डीएलएस लाइन के जरिए इंटरनेट को हवा में ब्रॉडकास्ट करता है। ऐसे में पूरा WiFi सेटअप तारों से घिरा रहता है और अगर कहीं से तार कट जाए, तो इंटरनेट भी फुर्र हो जाता है। यहीं WiFi से आगे की तकनीक यानी कि 5G राउटर आता है। इसमें एक शक्तिशाली 5G मॉडेम और ट्रेडिशनल वाई-फाई राउटर दोनों एक साथ मौजूद होते हैं। इसे हवा में इंटरनेट के सिग्नल छोड़ने के लिए तार से कनेक्ट होने की जरूरत नहीं होती। यह आपके मोबाइल की तरह खुद सीधे टावर से 5G के सिग्नल पकड़ पाता है और उसे WiFi के तौर पर उपलब्ध कराता है।

**5G राउटर के बड़े फायदे:** अगर आपको फास्ट इंटरनेट स्पीड की जरूरत पड़ती है और आप ऑनलाइन गेमिंग, 4K वीडियो स्ट्रीमिंग या भारी-भरकम फाइलों को डाउनलोड करने जैसे काम करते हैं, तो 5G राउटर आपके लिए वरदान साबित हो सकता है। फोन में 5G इस्तेमाल करने पर फोन की बैटरी तेजी से खर्च होती है वहीं अगर आप 5G राउटर का इस्तेमाल करें, तो फोन बिना तेजी से बैटरी खर्च किए तेज इंटरनेट स्पीड पा सकता है।

**क्या आपको खरीदना चाहिए?:** इस सवाल का जवाब दो बातों पर निर्भर करता है। पहला, क्या आपके एरिया में 5G नेटवर्क स्टेबल है? अक्सर देखा गया है कि 5G नेटवर्क की घोषणाएं तो कंपनियां कर देती हैं लेकिन नेटवर्क स्टेबल नहीं होता और लगातार 4G/5G के बीच जंप करता रहता है। अगर एरिया में नेटवर्क स्टेबल नहीं है, तो तार वाला पुराना राउटर आपका काम बेहतर तरह से पूरा करेगा। कई लोगों का सफर के दौरान या अलग-अलग जगहों पर भी काम करना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए 5त्न राउटर काफी काम आ सकता है। वहीं अगर आपको कनेक्शन किसी स्टेबल जगह के लिए चाहिए जैसे कि घर या ऑफिस, तो आप हाई स्पीड वाले प्लान के साथ फाइबर कनेक्शन भी ले सकते हैं।

## न्यूज विंडो

### नियमों के उल्लंघन पर पुलिस ने लोहा व्यापारियों को दी चेतावनी

**छतरपुर।** शहर में असुरक्षित तरीके से लोहे के सरिया और भारी सामान के परिवहन को लेकर पत्रिका द्वारा प्रकाशित खबर का बड़ा असर देखने को मिला है। पहले भी बाजारों में दौड़ता मौत का सामान बिना सुरक्षा मानकों व लाल कपड़े के धड़ल्ले से हो रहा नुकीले सरियों का परिवहन शीर्षक से प्रकाशित समाचार के बाद यातायात पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में यातायात पुलिस ने रविवार को यातायात प्रशिक्षण शाला में नगर के लोहा एवं एल्युमिनियम व्यापारियों की बैठक आयोजित की। यातायात प्रभारी बृहस्पति साकेत की मौजूदगी में हुई इस बैठक में सड़क सुरक्षा, दुर्घटनाओं की रोकथाम और मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों के पालन को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए।बैठक में व्यापारियों को स्पष्ट रूप से बताया गया कि अब सवारी वाहनों, विशेषकर ई-रिक्शा और ऑटो में लोहा-सरिया या अन्य भारी सामान की ढुलाई पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। ऐसे वाहनों का उपयोग पाए जाने पर संबंधित वाहन चालक और व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी वाहन की निर्धारित बॉडी या लंबाई से बाहर लोहे की छड़े, एंगल अथवा अन्य सामान निकालकर परिवहन करना नियम विरुद्ध है। यदि विशेष परिस्थितियों में सामान का कोई हिस्सा पीछे की ओर निकलता है तो उस पर लाल कपड़ा अथवा चेतावनी संकेतक लगाना अनिवार्य होगा।

### राजस्थान का कुआं बुझा रहा मध्यप्रदेश के इस गांव की प्यास

**राजगढ़।** कागजी दावों और एसी कमरों की बैठकों में शत प्रतिशत पेयजल आपूर्ति का दम भरने वाले जल जीवन मिशन की जमीनी हकीकत मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है। जिला मुख्यालय से महज 39 किलोमीटर दूर खिलचीपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत बावड़ीखेड़ा के फतेहपुर गांव से जो तस्वीरें सामने आई हैं वो विकास के दावों को ठेंगा दिखा रही हैं। ये गांव आज भी विकास के मामले में 40 साल पीछे नजर आ रहा है। इस गांव में दो साल पहले जल जीवन मिशन की लाइन तो बिछ गई लेकिन नल में जल आज तक नहीं आया है।

### आधी रात धधक उठी मैदा मिल लाखों की संपत्ति जलकर खाक

**सीहोर।** गांव पिपलिया मीरा में रविवार-सोमवार की देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब पुरानी मैदा मिल अचानक आग के गोले में तब्दील हो गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। चीख-पुकार, धुएं के गुबार और आग की ऊंची लपटों ने पूरे इलाके को दहला दिया। ग्रामीण घरों से बाहर निकल आए और घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि जिस पुरानी मैदा मिल में आग लगी, वहां वर्तमान में पनीर फैक्ट्री का गोदाम संचालित हो रहा था। इसी परिसर के समीप किसान प्रेम सिंह मेवाड़ा का मकान और कृषि सामग्री रखी हुई थी। आग ने दोनों स्थानों को एक साथ अपनी गिरफ्त में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि मौके पर खड़ा ऑटो कुछ ही मिनटों में जलकर पूरी तरह राख हो गया। वहीं खेतों में उपयोग होने वाले कई महंगे कृषि उपकरण भी आग की चपेट में आ गए। ट्रैक्टर का अल्टरनेटर, कल्टीवेटर, मशीनरी और अन्य कृषि सामग्री धू-धू कर जलती रही।

### तपती धूप में राहत की फुहार, जय स्तंभ चौक पर शुरू हुआ फॉगिंग सिस्टम

**गंजबासौदा।** भीषण गर्मी और उमस से राहत दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद ने शहर के सबसे व्यस्ततम जय स्तंभ चौक पर फोगर सिस्टम शुरू किया है। अब चौक से गुजरने वाले नागरिकों को तपती धूप के बीच ठंडी फुहारों का एहसास होगा। नगर पालिका द्वारा लगाए गए इस फोगर सिस्टम से हवा में पानी की महीन बूंदें फैल रही हैं, जिससे आसपास का तापमान कम महसूस होगा। तेज गर्मी में यह व्यवस्था राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और बाजार आने-जाने वाले लोगों के लिए राहत मिलेगी। नगरवासियों ने नगर पालिका की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौर में इस तरह की व्यवस्था आमजन को राहत मिलगी।

---

### राऊ-खलघाट हाईवे पर बसों, वाहनों पर बरसे पत्थर, बस समेत कई वाहनों को बनाया निशाना

# हाईवे पर आतंक: आधी रात को चलती बसों, वाहनों पर हमला, मची चीख-पुकार

**खरगोन। दोपहर मेट्रो**

खरगोन (खलबुजुर्ग) में आधी रात को आतंक पसर गया। राऊ-खलघाट फोरलेन पर शनिवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने चलती बसों और वाहनों पर पत्थर बरसाकर दहशत फैला दी। इससे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। घटना धामनोद क्षेत्र में पलास होटल के पास हुई, जहां स्लीपर बस समेत कई वाहनों के कांच टूट गए। अचानक हुए हमले से यात्रियों में अफरा-तफरी गई। गनीमत रही कि किसी यात्री को चोट नहीं पहुंची, लेकिन वाहनों को भारी नुकसान हुआ। गोकुल महेश चौधरी निवासी ग्राम धामंदा जिला देवास ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार शिकायत के तुरंत बाद कार्रवाई कर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस को दर्ज कराई शिकायत में गोकुल महेश चौधरी ने बताया वह पवन बस के चालक परवेज पिता अकरम मुंडा निवासी सनावद जिला खरगोन के साथ स्लीपर बस (एमपी 13 पी 6077) से इंदौर से जालना महाराष्ट्र की ओर सवारियां लेकर जा रहे थे। रात करीब 11.55 बजे बस जैसे ही पलाश होटल के पास पहुंची, तभी कुछ युवकों ने अचानक बस पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। हमले में बस का सामने का कांच चकनाचूर हो गया।

### बदमाशों ने कार को भी बनाया निशाना

पीछे आ रही पवन ट्रेवल्स की बस (एमपी 30 पी 1613) पर भी बदमाशों ने पथराव किया, जिससे बस के बाईं ओर के दो से तीन कांच टूट गए। इसी दौरान वहां से गुजर रही आर्टिका कार (25 बीएच 2147 एस को भी निशाना बनाया। कार का पिछला कांच और डोर पैनल क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं सीएनजी ईको वाहन (आरजे 09 जीई 2612) के चालक अब्दुल पिता नफीस शेख निवासी सेंधवा की गाड़ी का अगला कांच भी टूट गया। घटना के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और वाहन चालक सहम गए। पीड़ितों ने पुलिस से हाईवे पर सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। धामनोद प्रभारी प्रवीण ठाकरे ने बताा कि मामले में महेश्वर थाना क्षेत्र के श्रवण हजारीलाल डाबर सोनू जामसिंह चंडेल , पूनम नानुराम बुन्देला को गिरफ्तार किया है। मामले में तीन नाबालिग भी शामिल हैं।

## दर्द भरा बचपन! एक ही परिवार के तीन बच्चों का रंग पड़ गया सफेद

**रीवा। दोपहर मेट्रो**

किसी भी मां-बाप का सबसे बड़ा सपना होता है कि उनके बच्चे हंसते-खेलते बड़े हों, स्कूल जाएं और जिंदगी में आगे बढ़ें। लेकिन, रीवा जिले के जवा इलाके स्थित ग्राम पंचायत देवखर में एक परिवार ऐसा भी है, जहां तीन मासूम बच्चों का बचपन दर्द और संघर्ष में बीत रहा है। जन्म से ही इन बच्चों का पूरा शरीर सफेद है। धूप पड़ते ही आंखों के सामने अंधेरा छा जाता है और शरीर में ऐसी खुजली उठती है कि खून तक निकल आता है। 9 वर्षीय रिया, 6 वर्षीय अनामिका और 5 वर्षीय राजीव एक गंभीर अनुवांशिक बीमारी से पीड़ित हैं।

गांव के बच्चे जहां खुले मैदान में खेलते हैं, वहीं ये मासूम तेज धूप से बचने के लिए घर के कोनों में सिमट जाते हैं। उनके चेहरे पर मासूम मुस्कान तो है, लेकिन आंखों में दर्द साफ दिखाई देता है। गरीबी इस परिवार की सबसे बड़ी मजबूरी है। पिता सुनील कोरी मजदूरी कर जैसे-तैसे परिवार चलाते हैं, जबकि मां माया देवी बच्चों की हालत देखकर हर दिन टूटती जा रही हैं। इलाज के लिए बड़े अस्पताल तक पहुंचना उनके लिए किसी सपने जैसा है।

गांव के लोगों का कहना है कि जब बच्चों को खुजली होती है तो वे दर्द से तड़प उठते हैं। शरीर पर चकत्ते पड़ जाते हैं और त्वचा छिलने लगती है। धीरे-धीरे उनकी शारीरिक ताकत भी कम होती जा रही है। मामले को लेकर समाजसेवी विजय तिवारी ने सरकार से मदद की अपील की है। राजेश्वर मिश्रा ने बताया कि गरीब परिवार उसके पास इतने पैसे नहीं है कि वह जांच कराने के लिए कहीं बाहर जा सके। प्रशासनिक मदद भी अब तक नहीं मिली है। गांव में बच्चों को अंग्रेज भी कहकर दूसरे बच्चे चिढ़ाते हैं, क्योंकि इनका स्वरूप पूरी तरह से सफेद हो चुका है।

## सांई बाबा की चरण पादुकाओं के स्वागत में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

नगर में रविवार को श्री सत्य साई बाबा की पावन चरण पादुकाओं के आगमन पर श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। ढोल-नगाड़ों की गूंज और साई नाम के जयकारों के बीच भक्तों ने पूरे उत्साह से चरण पादुकाओं का स्वागत किया। मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों में भ्रमण कर रही ये पावन चरण पादुकाएं जैसे ही नगर पहुंचीं, श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। नौलखी मंदिर पर साई रथ का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। स्वागत उपरांत नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा नौलखी मंदिर से प्रारंभ होकर मील रोड, सुभाष चौक, नानाजी वाली गली, नेहरू चौक और जयस्तंभ चौक से होती हुई पुनः मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। करीब दो घंटे तक चली इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग में लोगों ने चरण पादुकाओं की आरती उतारी और पुष्प अर्पित किए। भीषण गर्मी के बीच एक परिवार द्वारा श्रद्धालुओं के लिए जूस वितरण भी किया गया। साई रथ के आगे लगातार ढोल-नगाड़े बजते रहे और श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक सभी भक्त भगवान के स्मरण में नृत्य करते दिखाई दिए।

## दो वर्षों में 21 हजार से ज्यादा लोग कुत्तों के हुए शिकार

**कटनी। दोपहर मेट्रो**

रात के 11 बजे बस स्टैंड से घर लौट रहे कॉलेज छात्र शुभम तिवारी पर अचानक छह आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। जान बचाने के लिए वह सडक़ किनारे खड़ी गाड़ी पर चढ़ गया, लेकिन तब तक एक कुत्ते ने उसके पैर में काट लिया। अगले दिन उसे जिला अस्पताल पहुंचकर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाना पड़ा। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि शहर से गांव तक फैल चुके उस डर की तस्वीर है, जिसने लोगों का रात में घर से निकलना मुश्किल कर दिया है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दो वर्षों में जिले में 19 हजार से ज्यादा लोग डॉग बाइट का शिकार हुए हैं। वर्ष 2024-25 में करीब 9 हजार 300 व वर्ष 2025-26 में 10 हजार 300 मामले सामने आए, जबकि अप्रैल व मई माह में अबतक करीब 1500 लोग अस्पताल पहुंचे हैं। स्थिति यह है कि जिला अस्पताल के एंटी रेबीज सेंटर में रोज लंबी कतारें लग रही हैं। यह आकड़े अस्पताल में लगाए जा रहे एंटी रेबीज इजेक्शन पर आधारित हैं। इसके बावजूद नगर निगम का एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर सक्रिय नहीं है और जिले में एक भी स्थायी डॉग शेल्टर नहीं बन पाया है। आवारा कुत्तों के बढ़ते हमलों और डॉग बाइट मामलों पर सुप्रीम कोर्ट पहले भी चिंता जता चुका है। इसके बावजूद कटनी में प्रशासन इन्हें पकड़ने व नसबंदी अभियान शुरू नहीं कराई गई है।

### गुजरात से मूंडरीधाम तक रामनाम का महायज्ञ

## 100 गांवों से लिखा जाएगा 25 करोड़ रामनाम

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

सनातन संस्कृति की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने और नई पीढ़ी को रामभक्ति से जोड़ने के उद्देश्य से गुजरात की पावन धरती से प्रारंभ हुआ 125 करोड़ रामनाम लेखन महायज्ञ अब गंजबासौदा के मूंडरीधाम पहुंच गया है। दीपावली की दूज से शुरू हुए इस विराट आध्यात्मिक अभियान में अब मूंडरीधाम भी सहभागी बन गया है। यहां से 25 करोड़ रामनाम लेखन का संकल्प लिया गया है, जिसके तहत आश्रम से जुड़े 100 गांवों में रामनाम पुस्तिकाएं पहुंचाई जाएंगी और हर चौखट पर राम गूंजेगा।

श्री राम जानकी मंदिर मूंडरीधाम में आयोजित भव्य कार्यक्रम में संतों की मौजूदगी में रामनाम लेखन पुस्तिकाओं का विधिवत विमोचन किया गया। कार्यक्रम में गुजरात से पधारे 1008 महामंडलेश्वर पतित पावन दास जी महाराज, नूरपुर धाम के महंत महामंडलेश्वर बालकदास जी महाराज, पंजाब से आए महंत इंद्र कुमार दास जी महाराज तथा चित्रकूट से आए महंत राघव दास जी महाराज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु उपस्थित रहे। संतों ने कहा कि व्यक्ति अपने दैनिक कार्यों के साथ भी सहज रूप से रामनाम लेखन कर सकता है। दिनभर के व्यर्थ समय, मोबाइल और निरर्थक चर्चाओं में यदि कुछ पल राम लिखने में लगाए जाएं, तो वही समय जीवन का पुण्य बन जाता है। रामनाम लेखन मन को शांति, विचारों को पवित्रता और जीवन को सकारात्मक दिशा देने का माध्यम है।

श्री राम जानकी मंदिर मूंडरीधाम के महंत परशुराम दास जी महाराज ने बताया कि गुजरात के मोटा रामजी मंदिर नागेश धाम से प्रारंभ हुए 125 करोड़ रामनाम लेखन महायज्ञ की पूर्णाहुति गंजबासौदा की आध्यात्मिक पावन धरती पर होगी। उन्होंने बताया कि अब तक 50 करोड़ रामनाम लेखन पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष कार्य जारी है। अंतिम 25 करोड़ रामनाम लेखन का संकल्प मूंडरीधाम से जुड़े 100 गांवों के माध्यम से पूरा किया जाएगा। इसकी पूरी योजना तैयार कर ली गई है, जिसे वर्ष 2028 में उज्जैन में लगने वाले पूर्ण महाकुंभ से पहले पूर्ण किया जाएगा। श्रद्धालुओं द्वारा लिखी गई रामनाम पुस्तिकाओं को वर्ष 2028 के उज्जैन महाकुंभ में ले जाया जाएगा, जहां एक माह तक उनका पूजन, दर्शन और आध्यात्मिक अनुष्ठान होगा। देशभर से एकत्रित ये पुस्तिकाएं महाकुंभ का विशेष आकर्षण बनेंगी। महंत परशुराम दास जी महाराज ने बताया कि महाकुंभ के पश्चात इन पवित्र पुस्तिकाओं को अयोध्या स्थित छोटी छावनी के रामनाम बैंक में सुरक्षित रखा जाएगा तथा उन्हें नृत्य गोपाल दास जी महाराज को समर्पित किया जाएगा। करोड़ों हाथों से लिखा गया राम केवल अक्षर नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, श्रद्धा और सनातन संस्कृति का जीवंत स्वरूप होगा। महाराजश्री ने बताया कि 25 करोड़ रामनाम लेखन के संकल्प को पूरा करने के लिए आश्रम से जुड़े 100 गांवों में धर्म सेवक प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे।

**मेट्रो एंकर**

### अभियान चलाकर श्रमदानियों ने नदी में उतरकर दो घंटे तक लगातार किया सफाई कार्य

## पवित्र बेतवा पर प्रदूषण का ग्रहण, श्रमदानियों ने फिर संभाली स्वच्छता की कमान

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

कभी ऋषियों की तपस्थली, सभ्यताओं की जीवनरेखा और धार्मिक आस्था का केंद्र रही बेतवा नदी आज मानव की लापरवाही और प्रदूषण के बोझ तले कराहती दिखाई दे रही है। जिस नदी का उल्लेख भविष्य पुराण जैसे प्राचीन ग्रंथों में श्रद्धा और पवित्रता के प्रतीक के रूप में मिलता है, वही बेतवा आज प्लास्टिक कचरे, जलकुंभी और अव्यवस्थित अपशिष्ट के कारण अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। यह केवल एक नदी की पीड़ा नहीं, बल्कि उस समाज का आईना है जिसने विकास की दौड़ में प्रकृति को पीछे छोड़ दिया। इसी चिंता और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के अंतर्गत 33वें चरण का नदी जल स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें श्रमदानियों ने बेतवा को स्वच्छ और जीवंत बनाए रखने का संकल्प दोहराया।

अभियान के दौरान श्रमदानियों ने नदी में उतरकर करीब दो घंटे तक लगातार सफाई कार्य किया। नदी की सतह पर तेजी से फैल चुकी जलकुंभी को बाहर निकाला गया, वहीं किनारों और तलहटी में जमा प्लास्टिक, कपड़े, पॉलीथिन, पूजन सामग्री और अन्य कचरे को भी एकत्रित कर हटाया गया। सफाई के दौरान सामने आए दृश्य चिंताजनक थे। कई स्थानों पर नदी का प्राकृतिक प्रवाह जलकुंभी से बाधित दिखाई दिया, जबकि तलहटी में जमी गंदगी यह संकेत दे रही थी कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में नदी का अस्तित्व गंभीर संकट में पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार जलकुंभी पानी में ऑक्सीजन की मात्रा कम कर देती है, जिससे जलीय जीवों का जीवन प्रभावित होता है। वहीं लगातार बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण जल को विषैला बनाकर मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है। भारतीय संस्कृति में नदियों को मां का दर्जा दिया गया है। भविष्य पुराण में वर्णित बेतवा नदी को कभी पवित्र और जीवनदायिनी माना जाता था। यह नदी केवल जल का स्रोत नहीं रही, बल्कि सदियों तक क्षेत्र की संस्कृति, कृषि, आस्था और जीवन को पोषित करती रही। लेकिन आज वही बेतवा मानव की असंवेदनशीलता का शिकार बनती जा रही है। लोग नदी से जल तो लेते हैं, लेकिन बदले में उसे कचरा, प्लास्टिक और प्रदूषण सौंप रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन नदियों की पूजा की जाती है, उन्हीं नदियों को सबसे अधिक प्रदूषित भी किया जा रहा है। पिछले कई वर्षों से श्रमदान दल लगातार नदी स्वच्छता का कार्य कर रहा है। हर सप्ताह कई क्विंटल कचरा नदी से बाहर निकाला जाता है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी दिखाई देने लगती है।

यह समस्या केवल प्रशासनिक व्यवस्था की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की भी है। जब तक लोग स्वयं अपनी आदतों में बदलाव नहीं लाएंगे, तब तक केवल अभियान चलाने से स्थायी समाधान संभव नहीं होगा। नदी किनारों पर खुलेआम कचरा फेंकना, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और पूजन सामग्री का अव्यवस्थित विसर्जन यह साबित करता है कि समाज अभी भी अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह समझ नहीं पाया है। श्रमदान कार्यक्रम के दौरान श्रमदानियों ने लोगों से अपील की कि वे नदी संरक्षण को केवल सरकार या सामाजिक संगठनों का कार्य न समझें। यदि आज भी समाज नहीं जागा, तो भविष्य में जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन भयावह रूप ले सकते हैं।

## न्यूज विंडो

### संघर्ष को कांग्रेस ने दिया सम्मान अतुल चौरसिया बने मुख्य संगठक

**नरसिंहपुर ।** अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के मुख्य संगठक लालजी देसाई ने प्रदेश मुख्य संगठक अवनीश भार्गव,जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल, जिला संगठन मंत्री दीवान शैलेंद्र सिंह, पूर्व ऊर्जा मंत्री एन पी प्रजापति, पूर्व विधायक संजय शर्मा , सुनील जयसवाल ,पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी, नरेंद्र राजपूत , पूर्व नपा अध्यक्ष करेली राजेंद्र रघुवंशी की सहमति से मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव और क्षेत्र के सक्रिय युवा नेता अतुल चौरसिया को भारतीय कांग्रेस सेवादल ने नरसिंहपुर जिले का सेवादल में प्रमुख संगठक नियुक्त किया है। अतुल लंबे समय से कांग्रेस संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं देते चले आ रहे हैं। अतुल चौरसिया का राजनीतिक सफर काफी प्रभावशाली रहा है। वे वर्तमान में और पूर्व में संगठन के कई अहम दायित्वों को संभाल चुके हैं। अतुल युवा कांग्रेस मध्य प्रदेश के प्रदेश सचिव, युवा कांग्रेस सागर एवं सिवनी के जिला प्रभारी, युवा कांग्रेस छिंदवाड़ा के विधानसभा प्रभारी, युवा कांग्रेस नर्मदापुरम लोकसभा महासचिव, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस नगर अध्यक्ष, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष के साथ-साथ वे सामाजिक रूप से भी काफी सक्रिय हैं और वर्तमान में युवा चौरसिया समाज मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में सामाजिक सेवा कर रहे हैं। अतुल समाज के सभी वर्गों की आवाज़ को प्रमुखता से उठाते चले आ रहे है और उनके अधिकारों की रक्षा व हितों के लिए लगातार संघर्ष व आंदोलन करते चले आ रहे हैं। चौरसिया की नियुक्ति पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में पदाधिकारियो ने खुशी जाहिर करते हुए अपेक्षा की है कि अतुल चौरसिया सेवादल को मजबूत करेंगे।

### बीयर से भरा ट्रक जब्त, 705 पेटी अवैध शराब के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

**धार।** अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत टांडा थाना पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर घेराबंदी करते हुए पंजाब से गुजरात ले जाई जा रही अवैध बीयर की एक विशाल खेप को जब्त किया है। इस बड़ी कार्यवाही में टांडा पुलिस के साथ कुक्षी पुलिस, राजगढ़ पुलिस और साइबर सेल की टीम ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला। पुलिस ने मौके से 705 पेटी अवैध बीयर और परिवहन में इस्तेमाल हो रहे आयशर ट्रक सहित कुल 28 लाख 82 हजार की कीमत का मशरूका जब्त किया है। थाना प्रभारी संजय रावत के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक के जरिए भारी मात्रा में अवैध शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए टांडा पुलिस ने तुरंत जाल बिछाया और संदिग्ध ट्रक क्रमांक पीबी-07 बीआर-4987 को रोककर उसकी तलाशी ली। ट्रक के अंदर अलग-अलग ब्रांड्स की कुल 705 पेटी बीयर क्रेट्स में भरकर बेहद शातिर तरीके से छिपाई गई थी। पुलिस ने मौके से ट्रक चालक भागचंद पिता नाथराम गुर्जर निवासी होशियारपुर, पंजाब को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपी भागचंद गुर्जर के खिलाफ थाना टांडा में मध्य प्रदेश आबकारी एक्ट की धारा 34(2), 36 और 46 के तहत मामला पंजीकृत किया गया है।पुलिस आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस अवैध नेटवर्क के तार और कहाँ-कहाँ जुड़े हैं। इस अंतरराज्यीय शराब तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करने पर स्थानीय पुलिस टीम की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहना की जा रही है।

### सैलवाड़ा में 26 मई से शुरू होगा श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव

**तेंदूखेड़ा।** जनपद पंचायत अंतर्गत वनांचल क्षेत्र की ग्राम पंचायत सैलवाड़ा में आगामी 26 मई से 2 जून 2026 तक संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा एवं ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन ग्राम सैलवाड़ा स्थित निज निवास, यज्ञशाला के पास संपन्न होगा। आयोजनकर्ता पं. कौशल किशोर चौबे, श्रीमती सविता चौबे एवं पं. प्रशांत-प्राची चौबे ने क्षेत्रवासियों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। कथा का शुभारंभ 26 मई, मंगलवार को बैठकी, देवपूजन एवं भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, श्रीकृष्ण-रूक्मणी विवाह तथा सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष जैसे प्रसंग श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। 2 जून, मंगलवार को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ आयोजन का समापन किया जाएगा। इस आध्यात्मिक आयोजन में कथा व्यास के रूप में वृंदावन धाम से पधार रहे पं. श्रीकृष्ण कुमार शास्त्री ग्राम वाकल, कटनी कथा का रसपान कराएंगे। वहीं मुख्य यजमान के रूप में पं. प्रशांत प्राची चौबे उपस्थित रहेंगे। आयोजकों ने बताया कि नगर से लगभग 25 किलोमीटर दूर प्राकृतिक एवं शांत वातावरण में स्थित यह आयोजन श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करेगा।

### बाइक सवार डंपर से टकराए वृद्ध की मौके पर हुई मौत

**तेंदूखेड़ा।** शनिवार रात्रि नगर से 2 किलोमीटर दूर ग्राम नरगुंवा चौधरी वेयर हाउस के पास मोटरसाइकिल सवार डंपर से टकरा गए। जिससे मौके पर सिर में चोट के चलते एक वृद्ध की मौत हो गई एवं मृतक का पुत्र धरमदास 47 घायल हो गए। मृतक कोमल प्रसाद के पुत्र धरमदास 47 ने बताया कि हम लोग दोपहर 3 बजे पाटन भूसा देखने गए थे। लौटते समय नरगुंवा के पास डंपर से टकरा गए। मैं हेलमेट पहने था इसलिए मुझे ज्यादा चोट नहीं आई पिताजी का सिर डंपर में लगा जिससे वह सडक पर जा गिरे। मैनें तुरंत ही अपने रिश्तेदारों को सूचना दी इसके अलावा अन्य लोगों के द्वारा घटना की सूचना डायल 112 एवं 108 वाहन को दी गई जहां सूचना मिलते ही पुलिस सहित 108 वाहन से पायलट शंकर यादव डॉ भगवानदास यादव मौके पर पहुंचे पिताजी को उठाकर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रविवार की सुबह पुलिस ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की जांच-पड़ताल शुरू कर कार्रवाई शुरू की गई इस परिजनों सहित पाल समाज के दर्जनों लोग स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही हैं।

### राजस्थान के कोटपुतली के रहने वाले थे मृतक; छुट्टी के दिन दोस्तों के साथ आए थे पिकनिक मनाने

# मनावर के सेमल्दा घाट पर नर्मदा में डूबने से सीमेंट कंपनी के दो साइट इंचार्ज की मौत

**धार। दोपहर मेट्रो**

मनावर के समीप ग्राम सेमल्दा में रविवार शाम एक नर्मदा नदी में नहाने गए अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के दो साइट इंचार्ज गहरे पानी में डूब गए। रविवार शाम से शुरू हुए रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सोमवार सुबह गोताखोरों की टीम ने दोनों युवकों के शवों को गहरे पानी से बाहर निकाल लिया है। मृतकों की पहचान पूरण यादवऔर दिनेश यादव के रूप में हुई है, जो मूल रूप से राजस्थान के कोटपुतली के निवासी थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनावर के टोंकी स्थित सीमेंट कंपनी में कार्यरत चार दोस्त पूरण यादव, दिनेश यादव, मनोज यादव और नवीन योगी रविवार की छुट्टी होने के कारण

शाम करीब 5 बजे सेमल्दा नर्मदा तट पर घूमने और स्नान करने पहुंचे थे। नहाने के दौरान पूरण और दिनेश अचानक करीब 15 से 20 फीट गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। किनारे पर मौजूद उनके साथियों और स्थानीय नाविकों ने तुरंत उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी का बहाव और गहराई अधिक होने से सफलता नही मिली। चश्मदीद दोस्त नवीन योगी ने बताया हम चारों साथ में नर्मदा तट पर आए थे। मैं और मनोज नदी के बाहर ही खड़े होकर पूरण और दिनेश को देख रहे थे, हम पानी में नहीं उतरे थे। देखते ही देखते दोनों गहरे पानी की ओर चले गए और डूब गए।

#### रात को रोकना पड़ा था सर्च ऑपरेशन

घटना की सूचना मिलते ही मनावर पुलिस और प्रशासनिक अमला तुरंत मौके पर पहुंचा। स्थानीय ग्रामीणों और गोताखोरों की मदद से नावों के जरिए रविवार देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन अंधेरा अधिक होने के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा। इसके बाद सोमवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में दोबारा तलाशी अभियान शुरू किया गया, जिसके बाद दोनों के शव बरामद हुए। इस घटना के बाद से ही घाट पर कंपनी कर्मचारियों और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा थी।

#### सुबह दिखा मगरमच्छ, दी गई थी चेतावनी

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, जिस सेमल्दा नर्मदा तट पर यह हादसा हुआ, वहां रविवार सुबह करीब 10 बजे एक मगरमच्छ भी देखा गया था, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। ग्रामीणों द्वारा वहां न नहाने की हिदायत भी जारी की गई थी, लेकिन चारों दोस्त इस बात से पूरी तरह अनजान थे और अनजाने में इस हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

## शिव पुराण कथा के समापन पर हुए भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

**सागर। दोपहर मेट्रो**

मोहन नगर वार्ड स्थित बाबु महाराज की मडिया पर चल रही श्री शिव पुराण कथा का समापन हो गया। इस आयोजन का यह 22 वां वर्ष था। 16 मई से 22 मई तक 7 दिन चले आयोजन में पंडित श्री ऋषि महाराज ग्राम पटकुई वालों ने कथा का वाचन किया। साथ ही कथा का मूल पाठ पंडित ज्वाला प्रसादशास्त्रीनेकिया। समापन पर रविवार को भंडारा का आयोजन किया गया। वार्ड पार्षद अशोक साहू चकिया ने बताया कि इस आयोजन का 22 वा वर्ष था। जिसमें वार्ड वासियों का सहयोग प्राप्त हुआ। श्रद्धा के साथ हुए आयोजन में वार्ड वासियों ने भक्ति पूर्ण माहौल में भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया।

## झाड़ियों में मिला मादा तेंदुआ शावक, इलाज के लिए भेजा गया भोपाल वन विहार राष्ट्रीय उद्यान

**धार। दोपहर मेट्रो**

वन परिक्षेत्र धामनोद के अंतर्गत उप परिक्षेत्र उमरबन की बीट सांवलाखेडी के ग्राम बेंचकुंआ में उस समय कौतूहल का विषय बन गया, जब नदी किनारे झाड़ियों में एक वन्यजीव तेंदुआ शावक पाया गया। ग्रामीणों की तत्परता और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से शावक को सुरक्षित बचा लिया गया है। ग्राम बेंचकुंआ में नदी के पास झाड़ियों में तेंदुआ शावक को देखकर ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन मंडल अधिकारी विजयानंथम टीआर के कुशल मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी धामनोद एवं वन अमला तुरंत मुस्तैदी से मौके पर पहुंचा और शावक को अपनी सुरक्षित सुपुर्दगी में ले लिया। वन विभाग की टीम ने संवेदनशीलता

दिखाते हुए शावक को उसकी माँ से मिलाने का हरसंभव प्रयास किया। इसके लिए टीम ने रातभर घटनास्थल के आसपास कड़ी निगरानी रखी और शावक को वहीं रखा, ताकि उसकी माँ उसे ले जा सके। हालांकि, रातभर चले इस प्रयास के बाद भी मादा तेंदुआ वहां नहीं पहुंची और टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। माँ के न आने के बाद रविवार को शावक को सुरक्षित वन परिक्षेत्र कार्यालय धामनोद लाया गया, जहाँ पशु चिकित्सक अधिकारी की उपस्थिति में उसका विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉक्टरों के परीक्षण में पाया गया कि यह तेंदुआ शावक मादा है और अत्यधिक कमजोरी की स्थिति में है। पशुचिकित्सक अधिकारी ने लिखित सुझाव दिया कि शावक की जान बचाने और उसके बेहतर स्वास्थ्य के लिए उसे किसी विशेष चिकित्सक की सतत निगरानी में रखा जाना अत्यंत आवश्यक है। इस चिकित्सकीय सलाह और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार, मादा तेंदुआ शावक को तुरंत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल भेज दिया गया है। वर्तमान में वन्यजीव विशेषज्ञों और डॉक्टरों की एक विशेष टीम चौबीसों घंटे उसकी सेहत पर निगरानी रख रही है और उसका इलाज जारी है।

## सोन घड़ियाल अभ्यारण्य क्षेत्र में वन विभाग टीम पर हमला, रेत माफियाओं के हौसले बुलंद

**शहडोल। दोपहर मेट्रो**

जिले के देवलौद थाना क्षेत्र अंतर्गत बुढ़वा सतानी इलाके में एक बार फिर अवैध रेत उत्खनन का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में लंबे समय से लगातार रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर सोन घड़ियाल अभ्यारण्य की वन विभाग टीम कार्रवाई करने मौके पर पहुंची थी।

बताया जा रहा है कि जैसे ही वन विभाग की टीम अवैध उत्खनन रोकने पहुंची, उसी दौरान रेत माफियाओं ने टीम पर हमला कर दिया। घटना के बाद वन अमले में दहशत का माहौल है। आरोप है कि जब सोन घड़ियाल की टीम शिकायत दर्ज कराने देवलौद थाना पहुंची, तब थाना पुलिस ने शिकायत लेने से ही इंकार कर दिया। इस पूरे मामले को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय सूत्रों का आरोप है कि पूरे अवैध उत्खनन के पीछे एक आरक्षक की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि उक्त आरक्षक वर्तमान में गोहपारू में पदस्थ हैं, लेकिन इसके बावजूद उनका अधिकांश समय देवलौद थाना क्षेत्र में ही बीतता है। कुछ विभागीय सूत्रों से बातचीत में यह बात भी सामने आई है कि कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण के चलते संबंधित आरक्षक क्षेत्र में प्रभाव बनाए हुए हैं। क्षेत्र में लगातार हो रहे अवैध उत्खनन और वन विभाग की टीम पर हुए हमले के बाद अब यह चर्चा तेज हो गई है कि बिना स्थानीय संरक्षण के इतने बड़े स्तर पर अवैध रेत कारोबार संभव नहीं है। मामले को लेकर प्रशासन और पुलिस विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यह पहला मामला नहीं है जब रेत माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के दौरान सरकारी अमले को विरोध और हमले का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले भी शहडोल संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में खनिज, राजस्व और वन विभाग की टीमों के साथ अभद्रता, धमकी और अवैध परिवहन रोकने पर विवाद जैसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कई बार ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों द्वारा अवैध उत्खनन की शिकायतें की गईं, लेकिन कार्रवाई सीमित स्तर तक ही सिमटती रही। यही कारण है कि रेत माफियाओं के हौसले लगातार बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। शहडोल जिले की रेत खदानों से जुड़े कथित 45 करोड़ रुपये के शासकीय राजस्व नुकसान का मामला अब गंभीर चर्चा का विषय बन चुका है। लगातार सामने आ रही शिकायतों, अवैध उत्खनन और दूसरे राज्यों तक हो रहे परिवहन के आरोपों ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई होती, तो शासन को इतनी बड़ी आर्थिक क्षति नहीं उठानी पड़ती।

### अमरकंटक-कपिलधारा सड़क निर्माण में सीमेंट की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

**अमरकंटक। दोपहर मेट्रो**

अमरकंटक में नए अस्पताल के पास से कपिलधारा वाटरफॉल तक बनाई जा रही सड़क और पुल निर्माण कार्य में उपयोग हो रही सीमेंट की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर ऐसी सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है, जो काफी पुरानी होने के कारण जम चुकी थी। बताया जा रहा है कि कई सीमेंट की बोरियों में सीमेंट पूरी तरह कठोर हो गई थी, जिसे मजदूरों द्वारा हथौड़ी से तोड़कर दोबारा मसाले में मिलाया जा रहा था। निर्माण कार्य देखने पहुंचे लोगों ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जमी हुई सीमेंट का उपयोग निर्माण की मजबूती और गुणवत्ता पर सीधा असर डाल सकता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि पुल और सड़क निर्माण में मानक के अनुरूप ताजा और गुणवत्तापूर्ण सीमेंट का उपयोग नहीं किया गया तो भविष्य में निर्माण कार्य की मजबूती पर गंभीर प्रश्न खड़े हो सकते हैं। लोगों ने आशंका जताई है कि कहीं निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण गुणवत्ता से समझौता तो नहीं किया जा रहा।

**मेट्रो एंकर** — दमोह में मजदूरों को उनका हिस्सा नहीं देने पर उजागर हुआ मामला

## खुदाई में मिला ब्रिटिश काल का 'खजाना', पीतल के कलश में मिले सिक्के

**दमोह। दोपहर मेट्रो**

शहर के फुटेरा वार्ड क्रमांक-3 में एक निर्माणाधीन मकान की खुदाई के दौरान चांदी के सिक्के निकलने की खबर आग की तरह पूरे शहर में फैल गई। जिसके बाद प्रशासन और पुलिस अमला मौके पर पहुंच गया। करीब चार घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद प्रशासन ने 102 चांदी के सिक्के जब्त किए हैं। मामले में पुरातत्व विभाग की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार फुटेरा वार्ड निवासी शासकीय शिक्षक आलोक सोनी अपने मकान का निर्माण करा रहे हैं। मकान में पिलर की खुदाई का कार्य हथना गांव के मजदूरों को दिया गया था। शनिवार शाम करीब 3 बजे खुदाई के दौरान पहले पीतल के एक छोटे कलश में एक चांदी का सिक्का मिला। इसके बाद नीचे से एक और पीतल का कलश निकला, जिसमें बड़ी मात्रा में चांदी के सिक्के भरे होने की बात सामने आई। मजदूर हीरा पटेल, मनोहर पटेल और ओमप्रकाश पटेल ने पुलिस और तहसीलदारों को बताया कि जमीन से निकले पीतल के मटके में बड़ी मात्रा में चांदी के सिक्के थे। मजदूरों का दावा है कि निकले हुए सिक्कों को एक 10 लीटर की बाल्टी में

भरा गया और जब बाल्टी भर गई, तो बाकी सिक्के गमछे में भरकर घर के अंदर ले जाए गए। मजदूरों के अनुसार उन्हें केवल 500-500 रुपये देकर चुप रहने को कहा गया। विरोध करने पर कथित रूप से धमकाया गया। बाद में मजदूरों ने गांव जाकर पूर्व सरपंच मुरारी लाल तिवारी को घटना की जानकारी दी और उनके साथ कोतवाली पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। इधर, पूर्व सरपंच ने भी आरोप लगाया कि कोतवाली में आलोक सोनी ने उसे पांच लाख रुपए की पेशकश की और कहा मामले को आगे मत बढ़ाओ।

### विकेटकीपर बैटर ने लखनऊ सुर जायंट्स की डुबोई लुटिया

# ना बल्ला चला, ना कप्तानी... ऋषभ पंत के लिए भूलने लायक रहा आईपीएल 2026

नई दिल्ली, एजेंसी

**विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत के लिए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछले सीजन उन्हें रिकॉर्ड कीमत देकर टीम की कमान सौंपी थी, लेकिन ना बल्ले से प्रदर्शन आया और ना ही कप्तानी में वह असर दिखा जिसकी उम्मीद थी। अब फ्रेंचाइजी को पंत की भूमिका और रणनीति पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है।**

ऋषभ पंत का बल्लेबाजी ग्राफ पिछले कुछ सालों से लगातार नीचे जा रहा है। एक समय था जब वह आईपीएल के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में गिने जाते थे। 2017 से 2019 के बीच उन्होंने शानदार औसत और विस्फोटक स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। लेकिन 2020 के बाद से उनकी बल्लेबाजी में वो मिडास टच नजर नहीं आया। 2024 में वापसी के बाद थोड़ी उम्मीद जगी थी, मगर लखनऊ सुपर जायंट्स में आने के बाद वह फिर संघर्ष करते दिखे।

इस आईपीएल सीजन ऋषभ पंत ने 14 मैचों में 312 रन बनाए। पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स इस सीजन पॉइंट्स टेबल में नीचे से टॉप पर है। सबसे बड़ी समस्या स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ उनकी कमजोर होती बल्लेबाजी रही। पहले जहां पंत स्पिनरों पर हावी रहते थे, अब वह रन बनाने के लिए जूझते नजर आए। बीच के ओवरों में उनका स्ट्राइक रोटेशन भी खराब रहा और काफी डॉट बॉल्स खेले।

## पंत की बैटिंग पोजीशन भी बदली दिखी

इतना ही नहीं, कप्तानी में भी कई फैसलों ने सवाल खड़े किए। पूरे सीजन में बल्लेबाजी क्रम लगातार बदलता रहा। कभी ऋषभ पंत खुद ओपनिंग करने आ गए, कभी नंबर-3 पर उतरे और कई बार निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाज को नीचे भेजा गया। टीम में स्थिरता की कमी साफ दिखाई दी। पंजाब के खिलाफ मुकाबले में भी टीम चयन और बल्लेबाजी क्रम पर सवाल उठे। कुछ युवा खिलाड़ियों को बाहर बैठाना और लगातार कॉम्बिनेशन बदलना टीम के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। गेंदबाजी में भी कई फैसले समझ से परे रहे। सही समय पर सही गेंदबाज का इस्तेमाल नहीं हुआ और कुछ खिलाड़ियों को जरूरत से ज्यादा मौके दिए गए, जबकि दूसरे विकल्प बेंच पर बैठे रहे। टीम संतुलन को लेकर भी लखनऊ सुपर जायंट्स पूरे सीजन संघर्ष करती नजर आई। 27 करोड़ की रिकॉर्ड रकम के साथ आने वाला दबाव हमेशा बड़ा होता है। पंजाब किंग्स के लिए श्रेयस अय्यर ने कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में खुद को साबित किया, लेकिन पंत अब तक वैसा असर छोड़ने में नाकाम रहे हैं। ऐसे में आने वाला समय लखनऊ और ऋषभ पंत दोनों के लिए बेहद अहम रहने वाला है।

## पंत को कप्तानी से हटाएंगे गोयनका? टीम डायरेक्टर ने दिए संकेत

टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट टॉम मूडी ने ऐसा बयान दिया, जिसने ऋषभ पंत की कप्तानी पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। टॉम मूडी ने साफ संकेत दिए कि फ्रेंचाइजी अब टीम की लीडरशिप पर गंभीरता से विचार करेगी और अगले सीजन से पहले बड़े बदलाव संभव हैं। यानी संजीव गोयनका की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स अगले सीजन से पहले पंत को लेकर बड़ा फैसला ले सकती है। टॉम मूडी ने कहा, हम इस पूरे सीजन पर शांत दिमाग से विचार करेंगे। हमने अपने स्तर के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया। टीम की लीडरशिप भविष्य में कैसी होगी, इस पर गंभीरता से सोचना पड़ेगा। ऐसा लगता है कि अब हमें रीसेट की जरूरत है। यानी साफ है कि एलएसजी मैनेजमेंट अब सिर्फ टीम कॉम्बिनेशन ही नहीं, बल्कि कप्तानी मॉडल पर भी बड़ा फैसला लेने के मूड में है।

### पाकिस्तान टीम पर भड़के कोच सरफराज

# बांग्लादेश से क्लीन स्वीप पर खिलाड़ियों को फटकारा

इस्लामाबाद, दोपहर मेट्रो

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 की शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम में हलचल मच गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान टेस्ट टीम के मुख्य कोच सरफराज अहमद अपने खिलाड़ियों, खास तौर पर सीनियर खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज हैं और उन्होंने सिलहट टेस्ट में हार के बाद टीम मीटिंग में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, इमाम उल हक, सलमान अली आगा और सऊद शकील समेत सभी खिलाड़ियों को जमकर फटकार लगाई। पाकिस्तान को लगातार दूसरी बार बांग्लादेश के हाथों टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप झेलना पड़ा। इससे पहले दो साल पहले भी घरेलू मैदान पर पाकिस्तान को इसी अंतर से हार मिली थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, हार के बाद हुई बैठक में सरफराज अहमद ने खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने खास तौर पर बल्लेबाजों को निशाने पर लेते हुए कहा कि टीम के बजाय खिलाड़ी अपने व्यक्तिगत आंकड़ों के लिए खेल रहे हैं। सरफराज ने खिलाड़ियों से कहा, खिलाड़ियों को टीम के लिए खेलना चाहिए, अपने लिए नहीं। उन्होंने आगे कहा, यह साफ नजर आया कि खिलाड़ी खुद के लिए खेल रहे थे। व्यक्तिगत प्रदर्शन करना अच्छी बात है, लेकिन उससे टीम को फायदा होना चाहिए, सिर्फ खिलाड़ी को नहीं।

**वरिष्ठ खिलाड़ियों पर उठाए सवाल**

कोच ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों की भी आलोचना की और कहा कि अनुभवी खिलाड़ी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह नाकाम रहे। उन्होंने कहा, सीनियर खिलाड़ी जिम्मेदारी लेने में असफल रहे हैं।

## कप्तान शान मसूद भी निशाने पर

सूत्रों के मुताबिक, सरफराज अहमद कप्तान शान मसूद की कप्तानी से भी खुश नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने मैदान पर फैसले लेने में सुस्ती दिखाई और कई अहम मौकों पर रिव्यू लेने से भी बचते रहे। दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान ने मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के खिलाफ एज के बावजूद रिव्यू नहीं लिया। उस समय लिटन दास 52 रन पर थे, लेकिन बाद में उन्होंने 126 रन की शानदार पारी खेलकर बांग्लादेश को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरफराज अहमद फिलहाल जुलाई में होने वाले वेस्टइंडीज दौरे तक मुख्य कोच बने रह सकते हैं। हालांकि कप्तान शान मसूद की कुर्सी खतरे में मानी जा रही है। शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान ने 16 टेस्ट मैचों में 12 हार झेली हैं।

# कुलदीप यादव रहे फेल, बल्लेबाजों ने किया निराश अधूरा रह गया डीसी का प्लेऑफ खेलने का सपना

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में भले ही दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का अभी एक मुकाबला बचा हो, लेकिन टीम का प्लेऑफ में खेलने का सपना टूट चुका है। अक्षर पटेल की कप्तानी में डीसी अंतिम चार में जगह बनाने में नाकाम रही। आइए आपको वो 5 कारण बताते हैं, जिनके चलते टूटा दिल्ली कैपिटल्स का प्लेऑफ में खेलने का सपना।

आईपीएल 2026 में कुलदीप यादव को दिल्ली कैपिटल्स का सबसे बड़ा ट्रंप कार्ड माना जा रहा था। हालांकि, कुलदीप इस पूरे सीजन विकेट के लिए तरसते हुए दिखाई दिए। 11 मुकाबलों में कुलदीप सिर्फ 7 ही विकेट चटका सके और उनका इकोनॉमी भी 10.66 का रहा। यानी बीच के ओवरों में विकेट न चटकाने के साथ-साथ चाइनामैन गेंदबाज रनों पर लगाम लगाने में भी नाकाम रहा। दिल्ली कैपिटल्स को ट्रिस्टन स्टब्स से इस सीजन काफी उम्मीदें थीं। स्टब्स अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलटने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, इस सीजन वह रनों के लिए संघर्ष करते हुए दिखाई दिए। साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज का 13 मुकाबलों में स्ट्राइक रेट सिर्फ 127.90 का रहा। स्टब्स ने 275 रन तो बनाए हैं, लेकिन वह अहम मौकों पर टीम की नैया को मझधार में छोड़कर पवेलियन लौट गए।

## खोखला नजर आया मिडिल आर्डर

आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के निराशाजनक प्रदर्शन का कारण खुद कप्तान अक्षर पटेल की खराब फॉर्म भी रही। अक्षर का न तो बल्ला चला और न ही वह गेंद से कुछ खास कमाल दिखा सके। 13 मुकाबलों में अक्षर ने 125 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 134 रन बनाए, तो गेंदबाजी में वह सिर्फ 10 विकेट ही निकाल सके। दिल्ली कैपिटल्स का मिडिल ऑर्डर इस सीजन खोखला नजर आया। जिन मुकाबलों में टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, उनमें डीसी बड़ा टोटल खड़ा करने में सफल रही। हालांकि, टॉप ऑर्डर के फेल होने की स्थिति में दिल्ली कैपिटल्स का मध्यक्रम टीम की लड़खड़ाती हुई पारी को संभालने में पूरी तरह से नाकाम रहा। सिर्फ डेविड मिलर ही कुछ मुकाबलों में अच्छी लय में दिखाई दिए।

### भारत को विश्व क्रिकेट का पावरहाउस बनते देखना चाहते हैं रोहित

# बोले- कप्तानी ने बहुत कुछ सिखाया

मुंबई, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि भारतीय क्रिकेट नतीजों और सोच दोनों के मामले में सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि भारत विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ बने। रोहित के अनुसार, कप्तानी ने उनके करियर को नई दिशा देने का काम किया। रोहित ने पिछले कुछ वर्षों में खेल में आए बड़े बदलाव की ओर भी इशारा किया, खासकर छोटे फॉर्मेट में जहां उनके डेब्यू के बाद से बल्लेबाजी अप्रोच और स्कोरिंग पैटर्न में काफी बदलाव आया है। मुंबई इंडियंस के ईएसए डे इवेंट में बात करते हुए रोहित ने कहा, मैं चाहता हूं कि भारत विश्व क्रिकेट का पावरहाउस बने। यही मुख्य बात है क्योंकि मैं चाहता हूं कि भारत सर्वश्रेष्ठ बने और क्रिकेट वहां सबसे ऊपर हो।

हमने पिछले तीन वर्षों में जो किया है, वह देखने में शानदार रहा है। 2024 विश्व कप से लेकर, महिला विश्व कप, अंडर-19 वर्ल्ड कप, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा एक और टी20 विश्व कप तक। मुझे उम्मीद है कि हम अपनी जीत का सिलसिला जारी रखेंगे। जब हमने टी20 खेलना शुरू किया था तो 130-140 एक अच्छा स्कोर था, लेकिन अभी यह मुश्किल है। अब कोई भी स्कोर बहुत भरोसेमंद नहीं लगता। यही वह कहानी है जो आपको बताती है कि इतने वर्षों में खेल कैसे आगे बढ़ा है।

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान के अनुसार, आज के क्रिकेटरों की निडरता ने खेल को और ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा, खिलाड़ी ज्यादा निडर हो गए हैं, उन्हें चीजें कैसे करनी चाहिए, इस बारे में खुले विचारों वाले हो गए हैं, जो गेम और लीग के लिए एक अच्छा संकेत है। खिलाड़ी रूढ़िवादी होने के बजाय आगे बढ़ने से नहीं डरते। आने वाले वर्षों में भी यह इसी तरह चलता रहेगा और यह ज्यादा ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

## कप्तानी के अनुभव को साझा किया

39 साल के रोहित ने यह भी बताया कि कैसे कप्तानी ने उनके नजरिए को बदला। उन्होंने कहा कि लीडरशीप ने उन्हें अपने प्रदर्शन से आगे सोचने और टीम की मिली-जुली सफलता को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, मैंने भारत और मुंबई इंडियंस की कप्तानी से बहुत कुछ सीखा। कैसे किसी को सब कुछ एक तरफ रखकर यह पक्का करना चाहिए कि टीम का लक्ष्य ज्यादा जरूरी हो। जब कोई कप्तान होता है, तो यह एक अलग कहानी होती है, क्योंकि आपको सिर्फ अपने प्रदर्शन की चिंता करने की जरूरत नहीं होती। आपको दूसरों के प्रदर्शन की भी चिंता करनी होती है। अगर आपने 100 रन बनाए हैं और दूसरे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

## 40 की मौनी रॉय बनीं 39 साल के वरुण धवन की मां!

# जमकर हो रही किरकिरी यूजर्स बोले- क्या बकवास है

**है जवानी तो ईश्क होना है का ट्रेलर शनिवार को मुंबई में लॉन्च किया गया। सोशल मीडिया पर ट्रेलर को मिले-जुले रिएक्शन मिल रहे हैं, लेकिन इसकी सबसे ज्यादा चर्चा एक वजह से हो रही है, और वो हैं- मौनी रॉय।**

'नागिन' फेम मौनी रॉय 40 साल की हैं, फिल्म में वो वरुण धवन की नकली मां का रोल निभाती नजर आएंगी। ये देख फैंस हैरान हो रहे हैं। दिलचस्प बात ये है कि वरुण इस साल 39 साल के हुए हैं। दोनों की उम्र में सिर्फ 1 साल का फर्क है, ऐसे में मौनी को वरुण की मां बनाना लोगों को हजम नहीं हो रहा और सोशल मीडिया पर इसे लेकर खूब बातें हो रही हैं।

हालांकि मौनी फिल्म में वरुण की बायोलॉजिकल मां नहीं बल्कि एक झूठ की वजह से किराए की मां बनती नजर आएंगी। लेकिन यूजर्स को ये कास्टिंग रास नहीं आ रही है। एक ने ट्वीट किया- वरुण धवन की मां के रोल में मौनी रॉय? क्या मजाक है। दूसरे ने लिखा- मौनी रॉय उनकी नकली मां बनी हैं, ये बात बिलीवेबल ही नहीं लगती। एक और यूजर ने मजाक उड़ाते हुए लिखा- मौनी रॉय को मां बना दिया, इससे बेहतर

कहानी तो दूसरी फिल्मों में होती है। हालांकि ट्रेलर देखने के बाद इतना जरूर समझ आता है कि मौनी का ये 'फेक मदर' वाला किरदार फिल्म में कॉमेडी के लिए रखा गया है। लेकिन फिलहाल सोशल मीडिया पर यही सबसे बड़ा चर्चा का विषय बना हुआ है।

## मौनी रॉय और सूरज नांबियार का तलाक

कुछ दिन पहले मौनी और उनके अलग हो चुके पति सूरज नांबियार ने सोशल मीडिया पर अपने अलग होने की जानकारी दी थी और लोगों से प्राइवेसी देने की अपील की थी। डेविड धवन के डायरेक्शन में बनी है जवानी तो ईश्क होना है में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी लीड रोल में हैं। फिल्म पहले 5 जून 2026 को रिलीज होने वाली थी। बाद में टॉक्सिक से क्लैश बचाने के लिए इसे 22 मई 2026 कर दिया गया था। लेकिन जब टॉक्सिक पोस्टपोन हो गई, तो फिल्म को फिर से उसकी पुरानी रिलीज डेट 5 जून 2026 पर शिफ्ट कर दिया गया।

# रणवीर के साथ काम करना चाहती हैं त्रिधा

## बोलीं- शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो।

इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी दिली इच्छा जाहिर की और कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें शिवा ट्रिलॉजी जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

आईएएनएस ने जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब शिवा ट्रिलॉजी पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी। त्रिधा ने कहा, मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने शिवा ट्रिलॉजी के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। यह खबर सुनकर मैं काफी उत्साहित हूं। मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं और उन्हें अभिनेता के तौर पर बेहद पसंद

करती हूं। रणवीर जिस तरह अपने हर किरदार में पूरी एनर्जी डालते हैं, वह मुझे बेहद प्रेरित करता है। उनके साथ काम करना मेरा सपना है। उन्होंने आगे कहा, ÷भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि शिवा ट्रिलॉजी से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा।

## मेट्रो बाजार

# एलआईसी चौथी तिमाही में भारत की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली वित्तीय फर्म बनी

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च अवधि) में 23,400 करोड़ रुपए के मुनाफे के साथ देश में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली वित्तीय कंपनी बन गई है। इसके साथ एलआईसी ने वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में एसबीआई को पछाड़ते हुए सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली सरकारी कंपनी का खिताब भी हासिल किया है। बीते हफ्ते देश की सबसे बड़ी सरकारी इंश्योरेंस कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस दौरान कंपनी के कंसोलिडेटेड मुनाफे में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल समान अवधि में कंपनी को 19,013 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में एलआईसी का प्रदर्शन एसबीआई के साथ देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक से भी अच्छा रहा है। मार्च तिमाही में एसबीआई को 19,684 करोड़ रुपए का फायदा हुआ था। एचडीएफसी बैंक को इस दौरान करीब 19,221 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। हालांकि, वार्षिक आधार पर वित्त वर्ष 2026 में कुल मुनाफे के मामले में एसबीआई, एलआईसी से आगे रहा। भारत के सबसे बड़े बैंक ने वित्त वर्ष 26 में 80,032 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि एलआईसी का वार्षिक लाभ 57,419 करोड़ रुपए रहा। निजी क्षेत्र के बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने भी 50,147 करोड़ रुपए के वार्षिक लाभ के साथ मजबूत प्रदर्शन किया।

# शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केट कैप बीते हफ्ते 74,111 करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई। देश की शीर्ष 10 सबसे अधिक बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में से छह के मार्केटकैप में बीते हफ्ते 74,111.57 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इसमें सबसे अधिक फायदा आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो (एडएंडटी) को हुआ है। बीते हफ्ते, सेंसेक्स 177 अंक या 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,415 और निफ्टी 75 अंक या 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,719 पर बंद हुआ। 18-22 मई के सत्र के दौरान, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के मार्केट कैप में कमी देखने को मिली है।

टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 19,338.68 करोड़ रुपए बढ़कर 8,38,401.33 करोड़ रुपए हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,515.93 करोड़ रुपए बढ़कर 9,06,901.32 करोड़ रुपए हो गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण इस सप्ताह 9,076.37 करोड़ रुपए बढ़कर 5,14,443.69 करोड़ रुपए हो गया। बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में भी 3,797.83 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई, जिससे यह बढ़कर 5,70,515.57 करोड़ रुपए हो गया। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का बाजार पूंजीकरण 2,685.87 करोड़ रुपए बढ़कर 5,40,228.21 करोड़ रुपए हो गया है। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई, जो 20,229.67 करोड़ रुपए घटकर 11,40,295.49 करोड़ रुपए रह गया।

# गंगा दशहरा: हरकी पैड़ी पर आस्था की डुबकी लगा रहे श्रद्धालु

## दस पापों का नाश करता है आज किया स्नान

**हरिद्वार।** गंगा दशहरा पर आज हरिद्वार हरकी पैड़ी में स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। माना जाता है कि दशहरे पर किया गया स्नान दस पापों का नाश करता है। वहीं गंगोत्री धाम में भी श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अलौकिक समागम देखने को मिल रहा है। प्रसिद्ध गंगोत्री धाम मंदिर परिसर में सुबह से ही वैदिक मंत्रोच्चारण शंखध्वनि और हर-हर गंगे के उद्घोष से संपूर्ण क्षेत्र गुंजायमान है।

विष्णु लोक में जन्मी, ब्रह्मलोक में बही और भगीरथ के तप से भगवान शंकर की जटाओं में समाई मां गंगा ने ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के दिन पर्वतों से उतरकर पहली बार हरिद्वार के मैदान में प्रवेश किया था। तभी से गंगा आगमन का पर्व हर वर्ष हरिद्वार में मनाया जाता है। गंगा स्नान के लिए लाखों श्रद्धालु इस समय धर्मनगरी पहुंचे हैं। आज प्रातः 9.06 बजे से कन्यास्थ चंद्रमा और वृषस्थ सूर्य के विशेष योग में स्नान का मुहूर्त रहा। अधिक पुरुषोत्तम मास में यूं तो कोई पर्व नहीं पड़ता लेकिन ज्येष्ठ मास में अधिक मास पड़े तो दशहरा उसी में मनाने का आदेश ऋषि श्रृंग ने हेमाद्रि संकल्प में दिया है।

## न्यूज विंडो

### पद्म पुरस्कार: आज 66 हस्तियां को सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित होने वाले नागरिक अलंकरण समारोह में वर्ष 2026 के पद्म पुरस्कार प्रदान करेंगी। समारोह दो चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री और गणमान्य हस्तियां शामिल होंगी। पद्म पुरस्कार भारत रत्न के बाद देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। ये पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, लोक सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, व्यापार व उद्योग, चिकित्सा, साहित्य एवं शिक्षा, खेल और सिविल सेवा समेत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट और विशिष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं। पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और 'पद्म श्री' किसी भी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रपति ने कुल 131 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी है। इनमें पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं।

### घर के मंदिर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, सिलेंडर फटने से 5 झुलसे

**जालंधर।** जालंधर के किशनपुरा इलाके में एक घर के मंदिर में पंखे से हुए शार्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। आग ने भयानक रूप ले लिया, जिसका धुआं दूर दूर तक दिखाई देने लगा। आग पर काबू पाने की कोशिश के दौरान एक सिलेंडर फट गया, जिससे इलाके के तीन लोग झुलस गए। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन आग पर काबू पाए जाने तक घर के अंदर पड़ा सामान जल कर राख हो चुका था। भाजपा नेता प्रशांत गंभीर के पिता सुदर्शन कुमार ने बताया कि वह सुबह घर से सैर करने के लिए निकलने लगे तो अचानक मंदिर में लगे पंखे से शार्ट सर्किट के कारण आग लग गई। देखते ही देखते चंद मिनटों में आग ने पूरे घर को चपेट में ले लिया और आग का धुंआ दोनों को दिखाई देने लगा, जिसे देख आस पास के लोग मदद के लिए आगे आए। उन्होंने बताया कि आग पर क़ाबू पाते समय घर के अंदर पड़े हुए सिलेंडर ब्लास्ट हो गया, जिस कारण पांच लोग झुलस गए । उसने बताया कि आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड टीम को तुरंत दी लेकिन फायर ब्रिगेड टीम देरी से पहुँची।

## गृहमंत्री शाह ने दी कड़ी चेतावनी

# लोभ, लालच या जबरन... कोई किसी का नहीं करा सकता धर्म परिवर्तन

**नई दिल्ली, एजेंसी**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर 'जनजातीय सांस्कृतिक समागम' में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने कहा, 'हमारे संविधान निर्माताओं ने हर व्यक्ति को अपने मूल धर्म में सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है। लोभ, लालच, जबरन कोई किसी का धर्म परिवर्तन नहीं करा सकता है। हमारा जो धर्म है इसकी रक्षा करने का संकल्प आज दिल्ली के इस मैदान से लेकर जाना है। वही हमें हमारी संस्कृति के साथ भी जोड़कर रखेगा और हमारे देश के साथ रखेगा।'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'हजारों साल पहले, त्रेता युग में, भगवान राम ने शबरी के बचे हुए बेर खाकर हमें बहुत साफ-साफ समझाया था कि हम सब एक हैं। जो लोग हमें बांटना चाहते हैं, उन्हें यह नहीं पता कि जब निषाद राज ने मदद की थी, तो खुद भगवान श्री राम ने गंगाजल से निषाद राज के पैर धोकर वनवासियों का सम्मान किया था। आज का सम्मेलन और यहां मौजूद लाखों आदिवासी लोग बांटने वालों के लिए एक बड़ा संदेश हैं।'

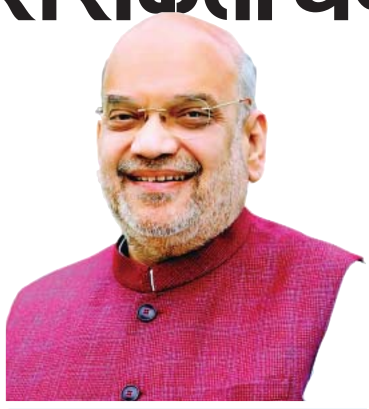

### आज भगवान बिरसा मुंडा मेरे सामने साक्षात प्रकट हुए- शाह

अमित शाह ने कहा, 'यह समागम आने वाले कई सालों तक जनजातियों के महाकुंभ के तौर पर पहचाना जाएगा। आज, जब आप देश के दूर-दराज के इलाकों से पारंपरिक कपड़े पहनकर, अपने वाद्य यंत्रों के साथ, अपनी संस्कृति के गीत गाते हुए यहां आए हैं, तो मैं यकीन के साथ कह सकता हूं कि मैंने अपनी जिंदगी में कभी भगवान बिरसा मुंडा को नहीं देखा। लेकिन आज, भगवान बिरसा मुंडा मेरे सामने साक्षात प्रकट हुए हैं। मैं आप सभी को सलाम करता हूं।'

### इन लोगों का अदा किया शुक्रिया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'मैं मध्य प्रदेश और गुजरात के अपने सभी भाइयों और बहनों, मध्य प्रदेश और गुजरात के भील और मुंडा समुदायों, छत्तीसगढ़ के गोंड और कोलम समुदायों, झारखंड और ओडिशा के संथाल और उरम समुदायों, नॉर्थईस्ट के बोर्डो, कार्बी, डिमासा, खासी, गारो और चकमा समुदायों और आंध्र प्रदेश के चेंचू समुदायों का दिल से स्वागत करता हूं। मैं दोनों संगठनों का बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करना चाहता हू कि उन्होंने मुझे अपनी ज़िंदगी में इस खास मौके का गवाह बनने का मौका दिया।'

### आदिवासियों का बनाया मॉडल दुनिया में सबसे ज्यादा टिकाऊ

शाह ने कहा, 'इस साल भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती है। यह जल, जंगल और पहाड़ हमारे आदिवासी भाइयों के लिए रोज़ी-रोटी का जरिया हैं। एक मजबूत किला है जो उनकी पहचान और संस्कृति की रक्षा करता है। आज, अगर दुनिया में कोई मॉडल सबसे ज्यादा टिकाऊ है, तो वह हमारे आदिवासियों का बनाया मॉडल है।

## अभिजीत दीपके के घर को मिली सुरक्षा

### कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधि की जांच की मांग को लेकर याचिका

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े फर्जी वकीलों और गतिविधियों के आरोपों की जांच की मांग की गई है। सीजेपी हाल ही में सामने आया एक व्यंग्यात्मक डिजिटल समूह है, जिसने सोशल मीडिया पर धूम मचा रखी है। याचिका में उन लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की गई है, जो अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियों का कथित तौर पर व्यावसायिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

इसमें उन कथित फर्जी वकीलों की जांच की भी मांग की गई है, जो फर्जी डिग्रियों का इस्तेमाल कर वकालत कर रहे हैं। याचिका में दावा किया गया कि

अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और अवलोकनों का इस्तेमाल प्रचार अभियानों के लिए किया जा रहा है। सीजेपी हाल ही में उस विवाद के बाद सामने आया, जब सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत के कॉकरोच और परजीवी को लेकर टिप्पणियां की थीं।

### तीन बच्चों के साथ पति-पत्नी ने नहर में लगाई छलांग, डूब गए मासूम

**राजपुरा।** पंजाब के राजपुरा के पास से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मोहाली के रहने वाले एक दंपति ने अपने तीन बच्चों के साथ रविवार को नहर में छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों ने दंपति को तो बचा लिया, लेकिन तीनों बच्चे को नहीं बचा पाए। तीनों बच्चे पानी के तेज धार में बह जाने के बाद डूब गए। इनमें दो लड़कियां और एक लड़का था। पुलिस के अनुसार, यह दर्दनाक घटना राजपुरा के पास मंडोली पुल से करीब एक किलोमीटर आगे की है। मोहाली जिले के लांडरां के पास स्थित मोजपुर गांव का रहने वाला यह परिवार रविवार को यहां पहुंचा और अचानक नहर में कूद गया।

जैसे ही आस-पास के ग्रामीणों ने परिवार को नहर में कूदते देखा, वे तुरंत बचाव के लिए मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने भारी मशक्कत के बाद पति-पत्नी को तो पानी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन बच्चे पानी की तेज धारा की चपेट में आ गए और आंखों से ओझल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। काफी तलाश के बाद गोताखोरों ने तीनों बच्चों के शवों को नहर से बरामद किया।

## मेट्रो एंकर

## ईडी के हत्थे चढ़ी हैदराबाद की रहने वाली मास्टरमाइंड नौहेरा शेख

# लेडी ठग ने शरिया के नाम पर लगाया 6 हजार करोड़ का चूना

**नई दिल्ली/हैदराबाद, एजेंसी**

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को घोटाले का एक ऐसा मामला मिला है, जिसने सभी को हैरान कर दिया। इस घोटाले के मुख्य शिकार वे मुसलमान थे जो शरिया कानून का पालन करते हैं। इस कानून के तहत ब्याज का पैसा कमाने की मनाही है। इस मामले में अपराधियों ने भोले-भाले लोगों को निवेश पर सालाना 36 प्रतिशत तक मुनाफे का वादा करके निशाना बनाया और कुछ ही सालों में 6 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जमा कर ली। इस घोटाले की मास्टरमाइंड हैदराबाद की रहने वाली नौहेरा शेख थी। यह महिला एक महीने से ज्यादा समय से फरार चल रही थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट की ओर से उसकी जमानत याचिका रद करते हुए आत्मसमर्पण का आदेश दिया था। उसे पिछले हफ्ते ही गुरुग्राम के एक होटल से गिरफ्तार किया गया। इस ठग महिला ने कई बार अदालतों और जांच एजेंसियों को भी चकमा दिया।उसने सुप्रीम कोर्ट को भी गुमराह करने की कोशिश की। नौहेरा ने दावा किया कि उसने हैदराबाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था लेकिन पुलिस ने उसे हिरासत में लेने से मना कर दिया।

**400 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त:** उसकी मालिकाना हक वाली और उसके नियंत्रण में मौजूद 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियां जब्त कर ली गई हैं और अब उन्हें पीड़ितों को वापस लौटाने की प्रक्रिया चल रही है।

### पॉन्जी स्कीम में निवेश करने का दिया लालच

ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'नौहेरा शेख, उसके परिवार के सदस्यों और अन्य साथियों ने लाखों लोगों को अपनी 'पॉन्जी स्कीम' में निवेश करने का लालच दिया।' उन्होंने आगे बताया कि शुरुआत में आए निवेशकों को भारी मुनाफा दिया गया लेकिन 1.7 लाख अन्य लोगों को अपनी जमा-पूंजी गंवानी पड़ी।

**सुप्रीम** कोर्ट ने इस मामले की जांच का आदेश दिया और बाद में ईडी द्वारा जब्त की गई सभी संपत्तियों को जब्त करने और उन्हें बेचकर पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश जारी किया गया। इस महिला और उसके साथियों ने कई बार हलफनामे और दावे पेश किए, जिससे संपत्तियों की बिक्री में और भी ज्यादा देरी हुई।

**उसके** एक साथी ने पीएमओ के एक अधिकारी का रूप धरकर संपत्तियों की बिक्री और पीड़ितों को मुआवजा देने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को रोकने की कोशिश की। उसे जनवरी में गिरफ्तार कर लिया गया था।

**साल** 2024 में एजेंसी ने उसके घर पर तलाशी के दौरान 12 गाड़ियां जब्त कीं, जिनमें एक बीएमडब्ल्यू, एक मर्सिडीज-बेंज, एक महिंद्रा स्कॉर्पियो, कई टोयोटा फॉर्च्यूनर और 92 लाख रुपये की नकद राशि शामिल थी।

## पेज एक से जारी...

# बाहरी दुश्मनों से खतरे सदा रहे हैं और शायद आगे भी रहेंगे

प्रेस की आज़ादी में नार्वे को दुनिया में सबसे ऊँचे नंबर वन पर बताया जाता है। इस देश की आबादी करीब 56 लाख है। देश के सबसे बड़े अखबार की प्रसार संख्या करीब 1 लाख 72 हजार है। इस युवा महिला पत्रकार ने अपने को देगसेविसेन बताया , जिसका का शाब्दिक अर्थ 'दैनिक अखबार ' है, और इसकी करीब बीस हजार प्रतियां छपती हैं। भारत में ऐसे अख़बारों की संख्या सैकड़ों में होगी। यही नहीं, नार्वे के इस अखबार के राजनीतिक पूर्वाग्रह भी हैं। अपने वामपंथी वैचारिक झुकाव को काफी हद तक बनाए रखा है। यह झुकाव उसके लंबे समय तक लेबर पार्टी से जुड़े रहने के कारण माना जाता है। जहाँ अखबार वामपंथी नेताओं या समूहों से जुड़े विवादों को अपेक्षाकृत कम महत्व देता है। विशेष रूप से आर्थिक नीतियों, आप्रवासन (इमिग्रेशन) और कल्याणकारी योजनाओं जैसे मुद्दों पर सत्ताधारी पार्टी का विरोध करता है। जबकि सरकार परंपरागत रूप से अमेरिका और पश्चिमी गठबंधन के काफी करीब मानी जाती है। नाटो का संस्थापक सदस्य होने के कारण नॉर्वे की सुरक्षा नीति लंबे समय से अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के साथ जुड़ी रही है।

दूसरी तरफ अमेरिका से कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) अभियान के पीछे अभिजीत दिपके हैं, जो 30 वर्षीय बोस्टन विश्वविद्यालय के छात्र हैं। 2020 से 2023 तक उसने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर सोशल मीडिया और चुनाव प्रचार का काम संभाला। याद करें आप या कॉमन मैन पार्टी - को 26 नवंबर 2012 को दिल्ली के जंतर-मंतर वेधशाला में अरविन्द केजरीवाल और उनके समर्थकों द्वारा औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था ।केजरीवाल ने कहा था कि उनकी पार्टी 'भ्रष्टाचार, लोकतंत्र और भाई-भतीजावाद' पर कभी समझौता नहीं करेगी।' भ्रष्टाचार विरोधी अभियान की उनकी पहली वेबसाइट अमेरिका में बैठे उनके मित्र संभाल रहे थे। तब चुनाव में भी विदेशों से समर्थक आए थे। इस पूरे हंगामे पर मेरी आशंका का आधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार या भारतीय जनता पार्टी के किसी नेता की बातों से नहीं है। किसी ने मुझसे कोई बात भी नहीं की। हाँ , इंदिरा गांधी , राजीव गांधी , नरसिंह राव , इन्दर कुमार गुजराल , अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री रहते हुए स्वयं अथवा उनके वरिष्ठ नेताओं ( डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा सहित ) के माध्यम से मुझे कई अवसरों पर यही बताया कि भारत विरोधी ताकतें हमारे देश में राजनीतिक स्थिरता से विचलित होकर उसे गड़बड़ाने के प्रयास विभिन्न तरीकों से करती हैं। इन ताकतों में चीन पाकिस्तान से अधिक अमेरिकी व्यवस्था का एक प्रभावशाली वर्ग रहता है।

समय-समय पर विभिन्न प्रधानमंत्रियों और बड़े नेताओं ने यह आरोप लगाया कि विदेशी शक्तियाँ भारत की सरकार, राजनीति, अर्थव्यवस्था या राष्ट्रीय एकता को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। कभी यह आरोप सीधे किसी देश पर लगाया गया, तो कभी 'विदेशी हाथ' , अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, खुफिया संगठनों, विदेशी फंडिंग या वैश्विक दबाव समूहों की ओर संकेत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कई बार कहा है कि ' भारत के विकास और स्थिरता को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं। 'देश विरोधी ', 'भारत विरोधी ', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग ', 'अर्बन नक्सल ', 'विदेशी ताकतें' जैसे शब्द राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बने। मोदी ने कई भाषणों में कहा कि भारत के तेजी से उभरने से कुछ वैश्विक शक्तियाँ असहज हैं। भारत की आर्थिक और रणनीतिक प्रगति रोकने की कोशिश होती है।' इस सन्दर्भ में विशेषज्ञों के तर्क रहे हैं कि भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका से प्रतिद्वंद्वी शक्तियाँ चिंतित हैं। दुष्प्रचार अभियान और अंतरराष्ट्रीय लॉबिंग के जरिए दबाव बनाया जाता है। 2020-21 किसान आंदोलन के दौरान बताया गया कि कई विदेशी हस्तियों और संगठनों ने समर्थन किया।विदेशी तत्व आंदोलन को प्रभावित कर रहे हैं। भारत की छवि खराब करने की कोशिश हो रही है। हाल के वर्षों में कई बार यह आरोप लगाया गया कि कुछ विदेशी फंडेड एनजीओ भारत की नीतियों को प्रभावित करना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भारत की नकारात्मक छवि पेश करता है। कानून के तहत कई संगठनों पर कार्रवाई भी हुई।

पहले प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी सत्तर के दशक में कई बार 'विदेशी शक्तियों' या 'विदेशी हाथ' का उल्लेख करती रहीं । विशेषकर 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने कई आंदोलनों और अस्थिरता के पीछे बाहरी ताकतों की भूमिका होने की बात कही।आपातकाल घोषित करने पर इंदिरा गांधी ने कहा कि देश के खिलाफ 'गहरी साजिश' चल रही थी। उन्होंने कई भाषणों में कहा कि विदेशी शक्तियाँ भारत की एकता तोड़ना चाहती हैं। आर्थिक संकट और राजनीतिक अशांति को बाहरी समर्थन मिल रहा था। भारत को कमजोर करने के लिए प्रचार युद्ध चलाया जा रहा था। मीडिया में सीआईए की भूमिका पर लगातार चर्चा होती थी। 1980 के बाद कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका में बैठे खालिस्तान समर्थकों के फंडिंग नेटवर्क पर चिंता जताई गई। राजीव गांधी के समय भी विदेशी हस्तक्षेप और अस्थिरता के मुद्दे उठे। राजीव गांधी सरकार ने लगातार कहा कि पाकिस्तान की ISI भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने हथियारों की तस्करी और प्रशिक्षण शिविरों का मुद्दा उठाया।

1987 में भारत-श्रीलंका समझौते के बाद राजीव गांधी सरकार पर भारी दबाव पड़ा।सरकार का तर्क था कि क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियाँ दक्षिण एशिया की राजनीति को प्रभावित करना चाहती थीं। भारत की क्षेत्रीय भूमिका को चुनौती दी जा रही थी। पीवी. नरसिंह राव का कार्यकाल (1991-1996) भारत के इतिहास का अत्यंत संवेदनशील दौर था। भारत गंभीर आर्थिक संकट में था। कश्मीर और पंजाब में आतंकवाद सक्रिय था। इसी पृष्ठभूमि में नरसिंह राव ने कई बार विदेशी दबाव और अंतरराष्ट्रीय शक्ति की राजनीति की चर्चा की। अमेरिकी दबाव में वह परमाणु परीक्षण नहीं कर पाए और फिर कभी अटल बिहारी वाजपेयी से कहा कि यह अधूरा काम वह करें। प्रधान मंत्री बनने पर अटलजी ने परमाणु परीक्षण करवाया। इसके बाद अमेरिका ने प्रतिबन्ध लगाए। डॉक्टर मनमोहन सिंह ने भी अमेरिकी दबाव के कारण परमाणु समझौते के लिए राजनैतिक समस्याएं झेलीं। सो, बाहरी दुश्मनों से खतरे सदा रहे और शायद रहेंगे। हाँ, भारत की लोकतान्त्रिक व्यवस्था में आंतरिक समस्याओं पर प्रतिपक्ष विरोध करे तो कौन अनुचित कहेगा? वही तो लोकतंत्र मजबूत रखेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
**स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564